FIRST INDIA

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

Scan to Subscribe

वर्ष: 4 | अंक: 244 जयपुर, बुधवार, 13 अगस्त, 2025 | भाद्रपद, कृष्ण पक्ष-पंचमी, विसं 2082 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 3.00

जरूरी खबर

प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति से बात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव से फोन पर बातचीत की। वार्ता में व्यापार, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और जन-जन संपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग की प्रगति की समीक्षा की गई। मोदी ने इसे "सार्थक" करार देते हुए भारत-उज्बेकिस्तान साझेदारी को मजबूत करने के संकल्प की पुष्टि की। फोन कॉल की पहल उज्बेकिस्तान की ओर से हुई। यह बातचीत 15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली शिखर बैठक से पहले हुई।

विधानसभा का मानसून सत्र एक सितंबर से होगा शुरू

जयपुर। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा का चौथा सत्र 1 सितंबर से शुरू होगा। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी की। सत्र से पहले कार्य सलाहकार समिति और सर्वदलीय बैठक होगी। सत्र में 'राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025' पर चर्चा और पारित होने की संभावना है, जिसमें जबरन धर्मांतरण पर रोक व कठोर सजा का प्रावधान है। कोचिंग रेगुलेशन बिल और भू-राजस्व व भूजल प्राधिकरण बिल समेत चार लंबित विधेयक भी एजेंडे में हैं। विपक्ष कानून व्यवस्था, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और झालावाड़ स्कूल हादसे पर सरकार को घेर सकता है, जिससे सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जल्द पटरी पर

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे पर्यावरण-हितैषी परिवहन की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को एक्स पर भारत की पहली हाइड्रोजन चालित ट्रेन का वीडियो साझा किया। भारत अब जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन के बाद हाइड्रोजन तकनीक से चलने वाली ट्रेनें चलाने वाला दुनिया का पांचवां देश बनने जा रहा है। पहली हाइड्रोजन ट्रेन सेवा हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच शुरू होगी।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 95711 98777
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा... आरोप गंभीर, पद से हटाने की कार्रवाई जरूरी

जस्टिस वर्मा पर महाभियोग प्रक्रिया शुरू, तीन सदस्यीय समिति गठित

बेधड़क | नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ गंभीर आरोपों की जांच के लिए मंगलवार को तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की, जिससे उनके महाभियोग की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई। समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी.वी. आचार्य शामिल हैं। यह समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। बिरला ने बताया कि उन्हें 31 जुलाई को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत 146 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव प्राप्त हुआ। इसमें न्यायाधीश जांच अधिनियम, 1968 की धारा 3 और संविधान के अनुच्छेद 124(4), 217 और 218 के तहत राष्ट्रपति को न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का समावेदन भेजने की सिफारिश की गई है। अध्यक्ष ने सदन को बताया कि 15 मार्च को न्यायाधीश वर्मा के दिल्ली स्थित आवास से जली हुई नकदी मिलने की घटना के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेजा गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने भी आरोपों को गंभीर माना था।

ये सदस्य करेंगे जांच

न्यायाधीश अरविंद कुमार 2023 से उच्चतम न्यायालय में कार्यरत हैं। मनींद्र मोहन श्रीवास्तव 2021 से राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रहे और वर्तमान में मद्रास उच्च न्यायालय का नेतृत्व कर रहे हैं। 91 वर्षीय बी.वी. आचार्य पांच बार कर्नाटक के महाधिवक्ता रहे हैं और पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में विशेष लोक अभियोजक भी रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ संसद का संदेश

बिरला ने कहा, बेदाग चरित्र और वित्तीय ईमानदारी न्यायपालिका में जनता के विश्वास की नींव है। संसद को एक स्वर में भ्रष्टाचार के खिलाफ संदेश देना चाहिए। इससे पहले, तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने आरोपों की आंतरिक जांच के लिए समिति बनाई थी। समिति ने 4 मई को रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट के बाद वर्मा को इस्तीफा देने या महाभियोग का सामना करने का विकल्प दिया गया, लेकिन उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। इसके बाद मामला राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजा गया।

जिंदा लोगों को मृत बताने पर चुनाव आयोग बोला... गलतियां स्वाभाविक

आधार निवास का अंतिम सबूत नहीं: सुप्रीम कोर्ट

बेधड़क | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि आधार कार्ड को निवास का अंतिम और पक्का सबूत नहीं माना जा सकता, खासकर बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के दौरान। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, RJD नेता मनोज झा की ओर से पेश होकर, कोर्ट में बोले कि लोग आधार, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र रखते हैं, लेकिन अधिकारी इन्हें निर्णायक सबूत के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि ये दस्तावेज किसी क्षेत्र में निवास का संकेत दे सकते हैं, लेकिन अंतिम प्रमाण नहीं हैं। सुनवाई के दौरान सिब्बल ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में गंभीर विसंगतियां हैं, कई मृत घोषित लोग जीवित पाए गए और कुछ जीवित लोगों को मृत दिखाया गया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने माना कि यह विवाद चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच भरोसे की कमी से बढ़ा है। चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि इतने बड़े काम में त्रुटियां स्वाभाविक हैं और 30 सितंबर को अंतिम सूची जारी होने से पहले इन्हें सुधारा जा सकता है। विपक्षी दलों और संगठनों ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया से करोड़ों वैध मतदाता मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। ■ पेज 8 भी देखें

वोटर लिस्ट में नेशनल लेवल पर गड़बड़ी: राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ी केवल एक सीट पर नहीं, बल्कि नेशनल लेवल पर सिस्टमेटिक तरीके से हो रही है। बिहार की 124 साल की 'फर्स्ट टाइम' वोटर मिंता देवी के मामले पर उन्होंने कहा कि ऐसे अनलिमिटेड केस हैं। अब हमारे पास सबूत हैं, जबकि चुनाव आयोग 'एक व्यक्ति, एक वोट' की संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहा है।

बिहार एसआईआर पर हंगामा, लोकसभा-राज्यसभा 18 तक स्थगित

विपक्ष ने लोकसभा में कागज फाड़े, चेयर की ओर फेंके

बिहार SIR मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर मंगलवार को संसद के दोनों सदनों में विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। लोकसभा की कार्यवाही शाम 4:30 बजे शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने कागज फाड़कर स्पीकर की कुर्सी की ओर फेंके। सदन के आसन पर बैठे भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने आरोप लगाया कि यह कदम उपनेता विपक्ष के इशारे पर उठाया गया। हंगामे के चलते लोकसभा को 18 अगस्त सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया गया। कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रियंका गांधी समेत इंडिया ब्लॉक सांसद मकर द्वार पर मिंता देवी के नाम और तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे। विपक्ष का कहना है कि मिंता देवी बिहार

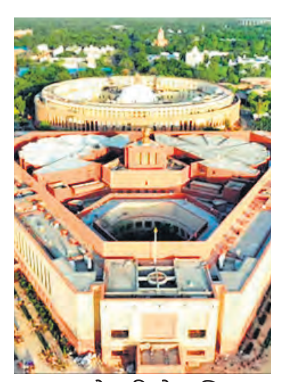

चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट में 124 साल की पहली बार वोट देने वाली मतदाता हैं। हालांकि, चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मिंता देवी की वास्तविक उम्र 35 वर्ष है और आवेदन में त्रुटि के कारण उनकी उम्र गलत दर्ज हुई थी।

विपक्ष ने सदन की गरिमा गिराई: रिजिजू

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया कि विपक्षी सांसदों ने आसन की ओर कागज के टुकड़े फेंककर सदन की गरिमा गिराई।

विपक्ष चर्चा से भाग रहा है और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रहा है। रिजिजू ने विपक्ष से कहा—अब भी समय है, चर्चा में भाग लें और देश के लिए काम करें।

दिखेगी बदलते भारत की तस्वीर

जयपुर में पहली बार होगी आर्मी-डे परेड: भजनलाल

सीएम भजनलाल आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर बैठक लेते हुए। साथ में सीएस सुधांश पंत, एसीएस सीएमओ शिखर अग्रवाल, डीजीपी राजीव कुमार शर्मा और लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह।

बेधड़क | जयपुर

आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर सीएमआर पर मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय थल सेना और राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। सीएम ने कहा कि इस बार 15 जनवरी को जयपुर में पहली बार आर्मी-डे परेड होगी। यह परेड पहली बार आर्मी क्षेत्र से बाहर आम जनता के सामने होगी, जिससे युवाओं में देशभक्ति की भावना बढ़ेगी और दुनिया को बदलते भारत की नई तस्वीर दिखेगी। भारतीय सेना की बहादुरी और शौर्य को सम्मान देने के लिए इस आयोजन को और भव्य बनाया जाएगा। परेड में छात्र-छात्राओं, पर्यटकों और आम जनता की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी होगी। आयोजन स्थल का चुनाव दर्शक क्षमता के अनुसार किया जाएगा और पूरी व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए जिला कलेक्टर जयपुर को रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में राजस्थान की संस्कृति की झलक भी दिखनी चाहिए। सेना के दक्षिण पश्चिम कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बताया कि आर्मी-डे के दौरान रक्तदान शिविर, ऑनर रन, साइकिल रैली, नो योर आर्मी और मोटरसाइकिल शो जैसी गतिविधियां भी होंगी। परेड में पैदल सैनिक दस्ते, टैंक, तोप, मिसाइल, भारतीय सेना बैंड और कई झांकियों का प्रदर्शन भी होगा। मेजर जनरल अमर रामदासानी ने परेड की तैयारियों की जानकारी दी।

दिल्ली-NCR में पुराने वाहनों पर प्रतिबंध पर सुप्रीम कोर्ट से राहत

बेधड़क | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली-NCR में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगे प्रतिबंध पर अस्थायी रोक लगा दी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक केवल वाहन की उम्र के आधार पर कोई कार्रवाई न की जाए।

सीजेआई बी.आर. गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की

बेंच ने यह आदेश दिल्ली सरकार की याचिका पर दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि कई वाहन सीमित उपयोग में आते हैं और साल में 2000 किलोमीटर से भी कम चलते हैं, फिर भी उन्हें बेचना पड़ता है।

2015 में एनजीटी के आदेश के बाद पुराने वाहनों पर बैन लागू हुआ था, जिसे 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था। दिल्ली सरकार ने इसे "वैज्ञानिक आधारहीन" बताते हुए चुनौती दी और लागू करने में आ रही लॉजिस्टिक दिक्कतों का हवाला दिया।

मालपुरा दंगा प्रकरण में 25 साल बाद फैसला: पुलिस जांच पर सवाल

अदालत ने 13 आरोपियों को किया बरी

बेधड़क | जयपुर

सांप्रदायिक दंगा मामलों की विशेष अदालत ने मंगलवार को मालपुरा, टोंक में 25 साल पहले हुए दंगे से जुड़े मामले में सभी 13 आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने कहा कि तीन अलग-अलग अनुसंधान अधिकारियों के बावजूद पुलिस जांच संतोषजनक नहीं रही। मामले में आरोपियों के वकीलों ने दलील दी कि गवाहों के बयान विरोधाभासी थे, आरोपियों

के चेहरे घटना के समय ढके हुए थे और हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार बरामद नहीं हुआ। अदालत ने पाया कि धारा 144 के बावजूद अभियोजन पक्ष के गवाह घटना स्थल पर मौजूद नहीं थे और एक आरोपी को छोड़कर किसी की शिनाख्त परेड नहीं कराई गई। बरी हुए आरोपियों में रतनलाल, रामस्वरूप, देवकरण, श्योजीराम, राम किशोर, सुखलाल, छोटू, बच्छराज, किस्तुर, हीरालाल, सत्यनारायण और किशनलाल शामिल हैं। एक अन्य संबंधित मामले में इन 13 आरोपियों का फैसला 24 अगस्त को सुनाया जाएगा।

क्या था मामला

यह मामला 11 जुलाई 2000 की एफआईआर संख्या 110/2000 और 111/2000 पर आधारित था, जिसमें कुल 22 आरोपियों के खिलाफ चालान पेश हुआ था। इनमें से आठ को 2016 में हाईकोर्ट ने डिस्चार्ज कर दिया था और एक को नाबालिग माना गया। आरोप था कि दंगे में जंगल में बकरियां चराने गए दो बच्चों की धारदार हथियार से हत्या हुई थी, मोहम्मद अली और मोहम्मद सलीम की मौत भी हुई थी।

संघ प्रमुख का गुरुकुल के विद्यार्थियों से संवाद: बच्चों ने पूछा, 'आरएसएस क्या है?'

भागवत बोले... RSS भारत माता की जय करने वाला संगठन

बेधड़क | जयपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मंगलवार को सीकर के रेवासा धाम में रेवासा पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती की प्रतिमा का अनावरण किया और नवनिर्मित संस्कृत गुरुकुल का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने गुरुकुल के विद्यार्थियों से संवाद भी किया। संवाद के दौरान एक विद्यार्थी ने भागवत से पूछा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ क्या है?' भागवत ने जवाब दिया, यह भारत माता की जय के लिए काम करने वाला संगठन है, जो भारत माता को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए कार्यरत है। छात्र ने अगला प्रश्न किया कि विदेशों में यह काम कौन करता है? इस पर भागवत ने कहा, विश्व में हिन्दुओं की एकता के लिए 'हिन्दू स्वयं सेवक' कार्य कर रहे हैं। इससे पहले भागवत राघवाचार्य वेदांती महाराज की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित 'श्री सियपिय मिलन समारोह' में शामिल हुए। उन्होंने कहा, भारत दुनिया में धर्म देने वाला और विश्व का कल्याण चाहने वाला देश है।

सीकर में रेवासा पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती की मूर्ति का अनावरण

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत सीकर के रेवासा धाम में गुरुकुल के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए।

- **भारत प्रजातंत्र में आगे:** भागवत ने कहा, स्वतंत्रता के बाद कई लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि भारत में प्रजातंत्र नहीं चल पाएगा, लेकिन न केवल यह चला, बल्कि संकट आने पर जनता ने इसे बचाया भी। आज भारत प्रजातंत्र के मामले में दुनिया में सबसे आगे है। उन्होंने इस दौरान स्वामी राघवाचार्य की तीन फीट ऊंची संगमरमर की प्रतिमा का अनावरण और नव-निर्मित गुरुकुल भवन का लोकार्पण किया।
- **राघवाचार्य का संस्कृत और संस्कृति के उत्थान में योगदान:** भागवत ने कहा कि राघवाचार्य जी ने संस्कृत और भारतीय संस्कृति के उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। उनका द्वार सभी के लिए सदैव खुला रहा। ऐसे संत का स्मरण एक वर्ष बाद भी हमें उनकी उपस्थिति का अनुभव कराता है। जब तक इस स्थान पर संतों का आशीर्वाद रहेगा, राघवाचार्य जी की प्रेरणा यहां जीवित रहेगी।

जरूरी खबर

डोटासरा ने स्कूल भवनों के लिए दिए 47.70 लाख रुपए

बेधड़क, जयपुर। प्रदेश में स्कूलों के जर्जर भवनों को विधायक कोष से ठीक कराने की अपील के बाद पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए विधायक कोष से 47.70 लाख रुपए की लागत से 14 जर्जर भवनों की मरम्मत और निर्माण कार्यों को मंजूरी दी है। इनमें राजकीय विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन शामिल हैं। प्रत्येक कार्य पर 70 हजार से 10 लाख रुपए तक की लागत आएगी। डोटासरा ने कहा कि यह सिर्फ भवन सुधार नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की नींव को मजबूत और सुरक्षित करने का संकल्प है।

झोटवाड़ा में हर घर में लहरा रहा तिरंगा: राज्यवर्धन

बेधड़क, जयपुर। झोटवाड़ा में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान जोर-शोर से चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किए गए इस अभियान के तहत झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 43 सहित पूरे इलाके में राष्ट्रीय ध्वज को फहराने का उत्साह देखने को मिल रहा है। राठौड़ ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराएं और अपनी तिरंगा सेल्फी harghartiranga.com पर अपलोड करें।

अंसारी एकता संगठन के बाबू बने प्रदेश महासचिव

बेधड़क, जयपुर। राष्ट्रीय अंसारी एकता संगठन के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद नसीम अंसारी ने बाबू अंसारी को प्रदेश महासचिव पद पर मनोनीत किया। बाबू अंसारी की सक्रियता, सामाजिक जुड़ाव और संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन देश के 22 राज्यों में समाज के उत्थान, शिक्षा, युवाओं को जागरूक करने और एकता को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। बाबू अंसारी ने कहा कि वे पूरी निष्ठा और मेहनत से काम करेंगे। उनका लक्ष्य संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना, समाज के लोगों की आवाज को मजबूत मंच पर उठाना और युवाओं को जोड़ना होगा।

डिजिटल जनगणना: दो चरणों में पूरी होगी प्रक्रिया... 31 मार्च 2027 तक प्रशासनिक सीमाएं नहीं बदली जा सकेंगी

एक जनवरी 2026 से नहीं बदलेगा कोई जिला या तहसील

- लोग स्वयं दर्ज कर सकेंगे अपना विवरण
- कर्मचारियों को मिलेंगे टैबलेट और एप

पत्रकारों को जानकारी देते हुए प्रदेश के जनगणना निदेशक बिष्णु चरण मल्लिक। साथ में हैं प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा और अन्य अधिकारी।

बेधड़क | जयपुर

देश में पहली बार डिजिटल जनगणना की तैयारी तेजी से चल रही है। केंद्र सरकार ने जनगणना के प्रभावी और सटीक संचालन के लिए एक जनवरी, 2026 से 31 मार्च, 2027 तक देशभर की सभी प्रशासनिक सीमाओं को स्थिर रखने का निर्णय लिया है। इस अवधि के दौरान देश में कोई नया वार्ड, गांव, शहर, तहसील या जिला नहीं बनाया जाएगा और न ही किसी सीमा में कोई बदलाव किया जाएगा। जनगणना के लिए राजस्थान में भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जनगणना निदेशालय के अनुसार, इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जिसमें तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाएगा। सरकार की ओर से नागरिकों को खुद की और अपने परिवार की जानकारी दर्ज करने के लिए एक विशेष वेब पोर्टल उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें लोग स्वयं अपना विवरण दर्ज कर सकेंगे, जिसे बाद में नियुक्त कर्मचारी सत्यापित करेंगे।

बेघर लोगों की गिनती 28 फरवरी, 2027 को

जयपुर स्थित जनगणना के क्षेत्रीय निदेशालय में प्रदेश के जनगणना निदेशक बिष्णु चरण मल्लिक ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत की। मल्लिक ने बताया कि जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले चरण में अप्रैल 2026 से सितंबर 2026 तक मकानों की गणना की जाएगी। इसके बाद फरवरी 2027 में जनसंख्या की गणना की जाएगी। इस दौरान 9 से 20 फरवरी के बीच सभी व्यक्तियों की गिनती होगी और 28 फरवरी को बेघर लोगों की गिनती की जाएगी। इस बार जाति आधारित आंकड़े भी एकत्र किए जाएंगे, जिससे सामाजिक संरचना का बेहतर विश्लेषण संभव हो सकेगा।

सीएस की अध्यक्षता में जनगणना समन्वय समिति का गठन

जयपुर। राज्य में जनगणना के सफल और सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के लिए राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की स्वीकृति से राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है। इस समिति की अध्यक्षता मुख्य सचिव सुधांश पंत करेंगे। समिति में ग्रामीण विकास, पंचायती राज, चिकित्सा, स्वास्थ्य, वित्त, योजना, सांख्यिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, राजस्व, सामाजिक न्याय, अल्पसंख्यक मामले, नगरीय विकास, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, स्वायत्त शासन, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, सामान्य प्रशासन और चिकित्सा शिक्षा विभागों के प्रभारी सचिव सदस्य बनाए गए हैं। साथ ही, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के निदेशक भी सदस्य हैं। जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशक को इस समिति का संयोजक नियुक्त किया गया है। समिति का मुख्य कार्य जनगणना के विभिन्न चरणों में मार्गदर्शन, निगरानी एवं संबंधित विभागों के बीच समन्वय करना होगा। समिति का प्रशासनिक विभाग सांख्यिकी विभाग होगा।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर संगोष्ठी

जो देश को तोड़ते हैं, वे कभी लोगों को जोड़ नहीं सकते: CM

ऐसे आस्तीन के सांपों का मुंह उठाने से पहले ही फन कुचलना चाहिए: भजनलाल

कांग्रेस पर लगाया देश तोड़ने और पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

कार्यक्रम में मंच पर मौजूद (बाएं से दांए) पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व संयोजक अशोक परनामी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, मंत्री जवाहर सिंह बेढम, गौतम कुमार दक, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह, विधायक कैलाश वर्मा, बालमुकुंदाचार्य और गोपाल शर्मा।

बेधड़क | जयपुर

जयपुर शहर भाजपा की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी मंगलवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में हुई। संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभाजन को दुनिया की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी बताते हुए कहा कि आजादी से ठीक पहले 10 लाख लोगों की हत्या हुई, लाखों परिवार उजड़ गए। भजनलाल ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व पर टिप्पणी करते हुए कहा कि देश का बंटवारा कांग्रेस के नेतृत्व में हुआ, जिसने लाखों लोगों की कुर्बानी सत्ता की लालसा के लिए दी। उन्होंने कांग्रेस को देश को तोड़ने वाला और आज भी देश विरोधी ताकतों का समर्थन करने वाला बताया।

उन्होंने कहा कि जो देश को तोड़ते हैं, वे कभी लोगों को जोड़ नहीं सकते। ऐसे आस्तीन के सांपों को मुंह उठाने से पहले ही उनका फन कुचल देना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं और राहुल गांधी वोटर लिस्ट व ईवीएम की राजनीति करते हैं, जो केवल उन राज्यों में करते हैं जहां भाजपा की सरकार है। विभाजन की विभीषिका को याद करते हुए भजनलाल ने कहा कि पाकिस्तान से आए विस्थापितों को नागरिकता देने की जिम्मेदारी कांग्रेस की सरकारों ने कभी नहीं निभाई, बल्कि भाजपा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इसे पूरा किया है।

कुछ लोगों ने स्वार्थ और लालच की राजनीति की

सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि जिन लोगों ने हमेशा स्वार्थ की राजनीति की, लालच की राजनीति की, उन लोगों के कारण हमारे देश के हिन्दुओं को विभाजन का दंश झेलना पड़ा। पाकिस्तान से जो ट्रेनें आती थीं, वे लाशों से भरी होती थीं। यह विभाजन की भयावहता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल भूतकाल की पीड़ा नहीं है, बल्कि आज भी पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं के साथ अन्याय हो रहा है। यह दिवस हमें चेतावनी देता है कि तुष्टिकरण की राजनीति कभी दोहराई नहीं जाए। इतिहास हमें कांग्रेस की काली करतूतों की याद दिलाता रहेगा। हम कभी भूलेंगे नहीं कि कांग्रेस के नेतृत्व में ही देश का बंटवारा हुआ। हम कभी भूलेंगे नहीं कि उन्होंने लाखों लोगों की कुर्बानी अपने सत्ता सुख के लिए कर दी थी।

कार्यक्रम के दौरान बिड़ला ऑडिटोरियम में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी।

ट्रंप साहब... स्वामी विवेकानंद की बात खाली नहीं जाएगी

भजनलाल बोले कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। उस नरेन्द्र से लेकर यह नरेन्द्र आपको करके बता रहा है। ट्रंप साहब... आप चिंता मत कीजिए, स्वामी विवेकानंद की बात खाली नहीं जाएगी। आज भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक रूप से उभरा है। पहले हम 11वें पायदान पर थे, फिर हम पांचवें पायदान पर आए, उसके बाद चौथे पायदान पर आ गए। अब दुनिया के देशों को लग रहा है कि भारत तीसरे और दूसरे पायदान पर भी आने वाला है। दुनिया के देशों के मन में भी यह बात आ रही है कि कहीं भारत आगे न निकल जाए।

पटेल के हाथों में होती सत्ता तो टल सकता था देश का विभाजन

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व संयोजक अशोक परनामी ने विभाजन के लिए कांग्रेस और गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह मजबूरी नहीं, बल्कि सत्ता का लोभ और कांग्रेस की मंजूरी का परिणाम था। यदि सत्ता सरदार वल्लभ भाई पटेल के हाथों में होती तो देश का विभाजन टल सकता था। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर पाकिस्तान से आने वाले हिंदुओं को संपत्ति मुआवजा न देने का भी आरोप लगाया। परनामी ने कहा कि पाक से आने वाला प्रत्येक हिन्दू शरणार्थी नहीं, पुरुषार्थी है। उन्होंने पीएम मोदी को धन्यवाद दिया कि जिन्होंने विभाजन की पीड़ा को इतिहास के काले पन्नों से निकाल कर देश के सामने रखने के लिए 15 अगस्त से एक दिन पहले 14 अगस्त को देशभर में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश सह संयोजक रामलाल शर्मा, मंत्री जवाहर सिंह बेढम, जोगाराम पटेल, गौतम दक, केके विश्नोई, विधायक कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बालमुकुंदाचार्य, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा, सरदार अजयपाल सिंह, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मंत्री एवं कार्यक्रम प्रदेश सह संयोजक भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला, अजीत मांडण, स्टेफी चौहान, मिथलेश गौतम, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, पूर्व कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, मेयर सौम्या गुर्जर, कुसुम यादव सहित भाजपा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रंधावा के आवास पर हुई चर्चा

कांग्रेस में नेताओं की घर वापसी शुरू, अमीन खान का निष्कासन रद्द

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश कांग्रेस में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में संगठन से बगावत करने वाले नेताओं की घर वापसी का दौर शुरू हो गया है। इसको लेकर मंगलवार को प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के आवास पर पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदेश के कांग्रेस सांसदों के साथ चर्चा की गई। इसके बाद पश्चिमी राजस्थान के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री अमीन खान की कांग्रेस पार्टी में 16 महीने बाद वापसी की गई। प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने अमीन खान के निष्कासन को रद्द करने का आदेश जारी किया। खान ने इसके बाद सोशल मीडिया एक्स पर 'सत्यमेव जयते' लिखा। खान की वापसी के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित पार्टी के कई नेताओं ने सिफारिश की थी। सूत्रों के अनुसार, निष्कासित अन्य नेताओं की भी जल्द घर वापसी होगी।

अमीन खान।

हरीश चौधरी व फतेह खान से रहा विवाद

अमीन खान का बायतु से विधायक हरीश चौधरी और पूर्व जिला अध्यक्ष फतेह खान से लंबा विवाद रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में फतेह खान ने बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ा, जिससे फतेह खान को रविंद्र भाटी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। बाद में फतेह खान को लोकसभा चुनावों के दौरान पार्टी में वापस लिया गया, जिससे नाराज अमीन खान ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बयानबाजी की थी। शिव से 10 बार चुनाव लड़ चुके अमीन खान 5 बार विधायक रहे।

अमीन खान ने लोकसभा चुनावों में रविंद्र सिंह भाटी का किया था समर्थन

रंधावा ने कहा कि अमीन खान को 26 अप्रैल, 2024 को लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किया गया था। बाड़मेर-जैसलमेर से कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई थी। बेनीवाल ने अमीन पर निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी का समर्थन करने का आरोप लगाया था। रंधावा ने कहा कि अमीन खान ने अपने निलंबन को रद्द करने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी और मुझसे कई बार अनुरोध किया। अमीन खान की ओर से प्रस्तुत प्रतिक्रिया, पार्टी में उनके योगदान, उनकी वृद्धावस्था (आयु 85+) और शिकायतकर्ता उम्मेदाराम बेनीवाल, सांसद की अनुशंसा पर खान का निलंबन रद्द किया है।

बेधड़क TOON

-शेखर

स्वच्छता योद्धाओं का राज्यपाल ने किया सम्मान

'280 करोड़ हाथ कुछ भी कर सकते हैं हासिल'

बेधड़क | जयपुर

नगर निगम ग्रेटर ने मंगलवार को ओटीएस चौराहे से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) तक विशाल तिरंगा रैली निकाली। स्वच्छता योद्धाओं ने हाथों में तिरंगा थामकर 'हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता' के नारे लगाए, जिससे माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया। रैली के बाद आरआईसी में स्वच्छता योद्धा सम्मान समारोह आयोजित हुआ, जिसमें राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 42 स्वच्छता योद्धाओं (प्रत्येक जोन से 6), ब्रांड एम्बेसडर और स्वयं सेवी संस्थाओं को सम्मानित किया। राज्यपाल ने महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर को स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में 16वीं रैंक पर बधाई दी और टॉप-3 का लक्ष्य रखने को कहा। बागडे ने कहा कि 140 करोड़ की जनसंख्या और 280 करोड़ हाथों से भारत कुछ भी हासिल कर सकता है। हमारी आर्थिक स्थिति जो 14वें नंबर पर थी वो आज चौथे स्थान पर है। समारोह में महिला स्वच्छता योद्धाओं ने राज्यपाल को तिरंगे की थीम पर बनी राखियां बांधीं।

स्वच्छता योद्धाओं को सम्मानित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, UDH मंत्री झाबर सिंह खर्रा, महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर और आयुक्त डॉ. गौरव सैनी।

मां के बाद स्वच्छता योद्धा का स्थान: खर्रा

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि अगर मां के बाद किसी का स्थान आता है तो वह स्वच्छता योद्धा है। स्वच्छता योद्धाओं का हमारे शहर को स्वच्छ बनाने में अहम योगदान है। इनकी मेहनत का परिणाम है कि शहर के दोनों निगम देश के टॉप 20 शहरों में शामिल हुए हैं। आप सभी की वजह से ही मुझे राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होने का मौका मिला।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 में टॉप थ्री का संकल्प

स्वच्छता योद्धा सम्मान समारोह के दौरान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 में शहर को टॉप 3 में लाने का संकल्प लिया। महापौर ने कहा कि हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता अभियान राष्ट्र भावना से अभिभूत है। देश-विदेश में जयपुर शहर केवल किले, महल, धरोहरों का ही शहर नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत का शहर है। इसे साफ व स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। समारोह में आयुक्त डॉ. गौरव सैनी की मौजूदगी में स्वच्छता योद्धाओं, अधिकारियों और स्वयं सेवी संस्थाओं का सम्मान हुआ।

RGHS परियोजना निदेशक शिप्रा विक्रम एपीओ

बेधड़क, जयपुर। वित्त विभाग ने आरजीएचएस परियोजना निदेशक शिप्रा विक्रम को एपीओ कर दिया है। यह योजना अब चिकित्सा विभाग से वित्त विभाग को हस्तांतरित कर दी गई है। वहीं, जब से योजना शुरू हुई तब से आरजीएचएस योजना की जिम्मेदारी लगभग 7 वर्षों से शिप्रा विक्रम संभाल रही थीं। चिकित्सा विभाग से यह योजना वित्त को सौंपे जाने के बाद अब शिप्रा विक्रम को नई जिम्मेदारी दी जाएगी, जिसके तहत उन्हें एपीओ किया गया है। वित्त विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश भी जारी कर दिया है।

राहुल गांधी की प्रस्तुति 'वोट चोरी' का वीडियो दिखाया

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वोट चोरी को लेकर लगाए आरोपों का वीडियो राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रदर्शित किया गया। जिला अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी के नेतृत्व में मंगलवार को राहुल गांधी की ओर से प्रस्तुत 'वोट चोरी' पर आधारित फिल्म दिखाई गई। यह फिल्म भारतीय जनता पार्टी पर लोकतंत्र में वोट चोरी के आरोपों को उजागर करती है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी, संगठन महासचिव सीताराम शर्मा, रामेश्वर शर्मा, विनय पालसिंह, जुल्फिकार नसीराबादी, रितु मीणा, इमरान खान, शैलेश भार्गव सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जरूरी खबर

अब निगम से कोई भी पट्टा नहीं मिलेगा ऑफलाइन

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने मंगलवार को नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय में समीक्षा बैठक लेते हुए निगम अधिकारियों को साफ संदेश दिया कि सफाई व्यवस्था पूरे साल सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे। उन्होंने कहा कि जैसे स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान जोश दिखता है, वैसा ही उत्साह सालभर बनाए रखें। सफाई अभियान लगातार चलते रहें और सड़कों पर कचरे के ढेर न बनने पाएं। जैन ने निर्देश दिए कि कचरा फेंकने वालों के चालान किए जाएं और दुकानों पर डस्टबिन न रखने पर जुर्माना लगे। उन्होंने कहा कि अब से कोई भी पट्टा ऑफलाइन जारी नहीं होगा। सभी जोन उपायुक्त और लैंड शाखा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि फाइलें तुरंत ऑनलाइन हों और आवेदकों को भी दस्तावेज ऑनलाइन देने के लिए कहा जाए। बैठक में आयुक्त निधि पटेल, अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र यादव सहित सभी जोन उपायुक्त और अधिकारी मौजूद रहे।

झालाना की मादा लेपर्ड 'जलेबी' ने तोड़ा दम

जयपुर। झालाना लेपर्ड सफारी की चर्चित मादा लेपर्ड जलेबी की मंगलवार शाम मौत हो गई। रविवार को उसके दोनों नीचे के केनाइन दांतों की सर्जरी की गई थी। इसके बाद से वह रिहैबिलिटेशन एरिया में डॉक्टरों की निगरानी में थी। खाने में दिक्कत के कारण उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जलेबी के दोनों निचले केनाइन हटा दिए गए थे, जिससे उसे खाना चबाने में परेशानी हो रही थी। रेंज अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में जलेबी का पोस्टमार्टम किया गया और नियमानुसार उसका अंतिम संस्कार भी संपन्न हुआ। जलेबी झालाना की सबसे चर्चित और फोटोजेनिक लेपर्ड्स में से एक थी, जिससे सैकड़ों टूरिस्ट और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स की यादें जुड़ी हुई हैं।

सड़क पर धमाके करने वाली 10 बाइक जब्त

जयपुर। चौमूं थाना पुलिस ने मंगलवार को मॉडिफाइड और पटाखा बाइकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 10 बाइकों को जब्त किया गया, जिनमें बुलेट और अन्य पावर बाइक शामिल हैं। इन बाइकों के साइलेंसर बदलकर तेज आवाज वाले पटाखा साइलेंसर लगाए गए थे, जो ध्वनि प्रदूषण और राहगीरों को परेशानी का कारण बन रहे थे। थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जनता की शिकायतों पर यह कार्रवाई की गई। ऐसी बाइकें दुर्घटनाओं और भय का कारण बनती हैं।

रामगढ़ बांध में कृत्रिम बारिश का प्रयास विफल...

उड़ा ड्रोन... सब खुश

सभी फोटो: पंकज शर्मा

लड़खड़ाया... नहीं भर पाया उड़ान

और जमीन पर गिरा

क्राउड-क्लाउड ने बिगाड़ा 'खेल'

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में मानसून की गतिविधियां कमजोर चल रही हैं। इस बीच जयपुर के जमवा रामगढ़ बांध में कृत्रिम बारिश का प्रयास किया जा रहा है। मंगलवार को ड्रोन-आधारित क्लाउड सीडिंग के जरिए कृत्रिम बारिश का पहला प्रयास असफल रहा। शुभारंभ से पहले कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पाल मीणा ने ड्रोन की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस औपचारिक पूजा के बाद ड्रोन को कृत्रिम बारिश के लिए उड़ाने का प्रयास किया गया। पहले दिन भारी भीड़ और बादलों की ऊंचाई अधिक होने के कारण प्रयोग असफल रहा। बांध क्षेत्र में तीन बार ड्रोन उड़ाया गया, लेकिन भारी भीड़ के कारण जीपीएस सिग्नल बाधित होने से ड्रोन उड़ान नहीं भर सका। पहले प्रयास में ड्रोन जमीन पर ही रुका, जबकि दूसरे प्रयास में यह झाड़ियों में अटक गया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को हटाने की कोशिश की। इसके बाद ड्रोन को 400 फीट तक उड़ाकर डेमो दिया गया।

ड्रोन को नहीं मिले सिग्नल...

अधिक ऊंचाई तक ड्रोन उड़ाने की लेंगे डीजीसीए से अनुमति

पहले दिन ड्रोन केवल 400 फीट तक उड़ पाया। इससे अधिक ऊंचाई पर उड़ाने की अनुमति नहीं थी। कृत्रिम बारिश कराने वाली कंपनी जेन एक्स एआई के डायरेक्टर अजिंक्या धूमबाड़े ने बताया कि उनका ड्रोन 10,000 फीट तक उड़ सकता है, लेकिन वर्तमान में डीजीसीए से केवल 400 फीट की अनुमति मिली है। कंपनी ने अधिक ऊंचाई के लिए डीजीसीए से अनुमति के लिए आवेदन किया है, जिसके 7 से 10 दिनों में मिलने की उम्मीद है। अनुमति मिलने के बाद ड्रोन को ऊंचे बादलों तक उड़ाकर क्लाउड सीडिंग की जाएगी। कंपनी के फाउंडर राकेश अग्रवाल ने कहा कि अगले दो-तीन दिनों में दोबारा प्रयास किया जाएगा और सप्ताह भर में ऊंचाई की अनुमति मिलने पर प्रयोग को और प्रभावी बनाया जाएगा। यदि यह प्रोजेक्ट सफल होता है, तो इसे देश और राजस्थान के अन्य सूखा-प्रभावित क्षेत्रों में लागू किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट अमेरिका और बेंगलुरु की टेक्नोलॉजी आधारित कंपनी जेन एक्स एआई द्वारा राजस्थान सरकार के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसमें करीब 2 करोड़ रुपए की लागत आएगी, हालांकि कंपनी अपने खर्चे पर यह प्रोजेक्ट कर रही है।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने भांजी लाठियां

कृत्रिम बारिश देखने के लिए रामगढ़ बांध पर हजारों लोग पहुंच गए। अत्यधिक भीड़ से अव्यवस्था फैल गई। लोग बांध की सीढ़ियों से लेकर कार्यालय की छत तक चढ़ गए, जिससे ड्रोन उड़ाने में बाधा आई। भीड़ के कारण मोबाइल नेटवर्क जाम हो गया, जिससे ड्रोन का जीपीएस सिग्नल बाधित हुआ। कुछ लोग ड्रोन के पास वीडियो बनाने पहुंच गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठियां भांजी। इस दौरान लोगों की पुलिस के साथ झड़प भी हुई। भीड़ के कारण रामगढ़ रोड पर जाम की स्थिति बन गई, हालांकि बाद में स्थिति को समझा-बुझाकर शांत किया गया।

30 दिनों का पायलट प्रोजेक्ट

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की मौजूदगी में शुरू हुए इस पायलट प्रोजेक्ट का उद्देश्य रामगढ़ झील को पुनर्जीवित करना और जल संकट को कम करना है। उन्होंने कहा कि क्लाउड सीडिंग का लक्ष्य रामगढ़ झील का पुनर्जनन, जल संकट में कमी और पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बहाल करना है। यह भारत में ड्रोन-आधारित क्लाउड सीडिंग का पहला प्रयोग है, जिसमें एआई-पावर्ड 'हाइड्रो ट्रेस' प्लेटफॉर्म का उपयोग हो रहा है। यह 30 दिनों का पायलट प्रोजेक्ट है, जिसमें ड्रोन सोडियम क्लोराइड जैसे सुरक्षित सीडिंग एजेंट छोड़कर बादलों में नमी को बारिश में बदलने का कार्य करेगा। इस प्रोजेक्ट में 60 क्लाउड सीडिंग टेस्ट ड्राइव होंगे, जिनके परिणाम सरकार के साथ साझा किए जाएंगे।

फिर कंधे पर चला...

जन्माष्टमी पर गोविंद देवजी को 31 तोपों की सलामी... आतिशबाजी भी होगी

इस बार भारतीय वेशभूषा वाले ही कर पाएंगे दर्शन

बेधड़क | जयपुर

संस्कृति और श्रद्धा का अद्भुत संगम एक बार फिर गोविंददेवजी मंदिर में देखने को मिलेगा। जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर मंदिर परिसर पारंपरिक आभा से सराबोर होगा।

इस बार भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में श्रद्धालुओं को केवल भारतीय पारंपरिक परिधान में ही प्रवेश मिलेगा। मंदिर प्रशासन का मानना है कि जैसे भक्त अपने आराध्य के दर्शन के लिए तन-मन से तैयार होते हैं, वैसे ही वस्त्रों में भी भारतीय संस्कृति की झलक होनी चाहिए। इस नियम का उद्देश्य न केवल धार्मिक मर्यादा को बनाए रखना है, बल्कि मंदिर की पवित्रता और गरिमा को भी सुरक्षित रखना है। गोविंददेवजी मंदिर में जन्माष्टमी 16 अगस्त को मनाई जाएगी। श्रद्धालु जींस, टी-शर्ट या किसी भी आधुनिक पोशाक में नहीं आएं, अन्यथा प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही हार्ट, शुगर, ब्लड प्रेशर और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को मंदिर आने से बचने की सलाह दी गई है ताकि भीड़ में उनकी सेहत पर असर न पड़े।

भक्त बैग, थैला, लेडीज पर्स, रुपए आदि कीमती सामान लेकर न आएं। महिलाएं सोने-चांदी के आभूषण पहनकर न आएं। मुख्य उत्सव के दिन श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए पुलिस और मंदिर प्रशासन ने मिलकर पास की व्यवस्था की है। दर्शन केवल पासधारकों को ही मिल सकेंगे, जो सुबह 4:30 से शाम 7 बजे तक मान्य रहेंगे। इसके बाद पास मान्य नहीं रहेगा।

गोविंददेवजी मंदिर में मंगलवार को सजी झांकी और प्रस्तुति देते कलाकार (नीचे)।

3000 स्वयंसेवक रहेंगे तैनात

गोविंददेवजी मंदिर में रात्रि को 31 तोपों की सलामी के साथ शानदार आतिशबाजी होगी। सुरक्षा व्यवस्था में 13 एलईडी, 8 से 10 मेटल डिटेक्टर, 3000 स्वयंसेवक और पुलिस जाब्ता रहेगा। चारदीवारी में भगवा पताकाओं के साथ 'रंग-बिरंगी बधाई हो' के पोस्टर लगाए हैं।

ठाकुरजी का 897 किलो सामग्री से होगा पंचामृत अभिषेक

सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि मंदिर में 31 जुलाई से जन्माष्टमी महोत्सव चल रहा है। फूलों, बंदनवार और विशेष रोशनी से सजावट की गई है। विभिन्न भजन मंडलियां प्रतिदिन भजन-कीर्तन और बधाइयां प्रस्तुत कर रही हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन ठाकुर गोविंददेवजी का भव्य श्रृंगार, पंचामृत से अभिषेक, कथा वाचन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। अभिषेक 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद से किया जाएगा।

सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामला

हेड कांस्टेबल, बेटा और SI चार दिन के रिमांड पर

बेधड़क | जयपुर

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने 2021 की सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में हेड कांस्टेबल राजकुमार यादव, उसके बेटे भरत यादव और एसआई सत्येंद्र सिंह यादव को मंगलवार को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया।

राजकुमार और भरत को गत शनिवार को, जबकि सत्येंद्र को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। एसओजी अब राजकुमार और कुंदन पांड्या से आमने-सामने पूछताछ की तैयारी में है। इसके लिए कुंदन को जयपुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाया जा सकता है। जांच में खुलासा हुआ कि राजकुमार ने उदयपुर निवासी कुंदन पांड्या से 5 लाख रुपए में पेपर खरीदा और इसे सत्येंद्र सिंह यादव व अपने पड़ोसी रविंद्र सैनी को 7.50 लाख रुपए में बेचा। राजकुमार का कुंदन से 2008 से संपर्क था, जब वह तत्कालीन मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय का पीएसओ था।

कुंदन ने ही राजकुमार को पेपर उपलब्ध करवाया। सत्येंद्र और भरत से अन्य अभ्यर्थियों को पेपर बेचने की जानकारी जुटाई जा रही है।

फरार रविंद्र सैनी की तलाश जारी

इस मामले में एसआई रविंद्र सैनी सीकर पुलिस लाइन से फरार है। उसका पांचवें दिन भी पता नहीं चला। एसओजी ने कई ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन वह अब तक नहीं मिला। रविंद्र ने 2021 की एसआई परीक्षा में 156वीं रैंक हासिल की थी।

पांच महिलाएं और दो पुरुष गिरफ्तार

लग्जरी कारों में घूमने वाली चेन स्नैचिंग गैंग का पर्दाफाश

बेधड़क | जयपुर

जयपुर की वैशाली नगर थाना पुलिस ने मंगलवार को धार्मिक आयोजनों में चेन स्नैचिंग करने वाले एक संगठित गिरोह का खुलासा किया है। इस गिरोह में शामिल 5 महिलाओं और 2 पुरुषों को गिरफ्तार किया गया है। गिरोह लग्जरी कारों का उपयोग कर वारदात को अंजाम देता था और तुरंत फरार हो जाता था। गिरफ्तार आरोपियों में विमलेश कुमारी बावरिया, गुड्डी बावरिया, अंजु बावरिया, सुरेंद्र बावरिया (भरतपुर), रिषि बावरिया, पूजा (बानसूर, अलवर) और मधु बावरिया (मेरठ) की रहने वाली है। मामले में पुलिस अन्य वारदातों और गैंग में शामिल अन्य सदस्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने इनके कब्जे से 8 सोने की चेन और 2 लग्जरी कारें बरामद की हैं। डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि सावन माह के दौरान झारखंड महादेव मंदिर में भारी भीड़ का फायदा उठाकर इस गिरोह ने 3 महिलाओं की चेन स्नैचिंग की। लगातार हो रही वारदातों के बाद एडिशनल डीसीपी आलोक सिंघल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में हेड कांस्टेबल सुरेंद्र, दिनेश शर्मा, कांस्टेबल सांवर मल, सुरेश मिठारवाल और आशीष कुमार शामिल थे। टीम ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले और दो संदिग्ध कारों की पहचान की। इसके बाद मध्य प्रदेश के ग्वालियर और ओंकारेश्वर तक पीछा किया, लेकिन बदमाश वहां से भाग निकले। लगातार गिरोह का पीछा कर रही पुलिस टीम ने डिग्गी में जाकर सभी आरोपियों को पकड़ लिया।

पुलिस टीम की गिरफ्त में चेन स्नैचिंग गैंग के पकड़े गए आरोपी।

गैंग के सदस्य आपस में रिश्तेदार

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह की मुख्य सरगना विमलेश कुमारी बावरिया थी। इसके इशारे पर पूरी वारदातें अंजाम दी जाती थीं। गिरोह के सभी सदस्य आपस में रिश्तेदार हैं और अलवर, भरतपुर व मेरठ के रहने वाले हैं। ये लोग व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए वारदात की योजना बनाते थे। लोकेशन और टारगेट की जानकारी ग्रुप में साझा की जाती थी। वारदात के बाद ये तुरंत अपनी लग्जरी कारों में सवार होकर ठिकानों पर लौट जाते थे। सरगना विमलेश कुमारी जेवर बेचने के बाद रकम का बंटवारा करती थी।

टारगेट को चारों ओर से घेरकर करते वारदात

यह गिरोह भीड़भाड़ वाले धार्मिक स्थलों, विशेषकर मंदिरों और धार्मिक आयोजनों को निशाना बनाता था। महिलाएं टारगेट को चारों ओर से घेर लेती थीं और भीड़ का फायदा उठाकर सोने की चेन या अन्य कीमती आभूषण छीन लेती थीं। सावन माह में झारखंड महादेव मंदिर में भारी भीड़ के कारण इसे वारदात के लिए चुना गया। गिरोह को पकड़ने के लिए पुलिस ने तकनीकी जांच और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जबकि दूसरी टीम ने संदिग्ध वाहनों की पहचान की। टोल नाकों के डेटा और मुखबिरों की सूचना के आधार पर डिग्गी के कल्याण मंदिर में आरोपियों को पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने राजस्थान और अन्य राज्यों के मंदिरों में वारदात करना कबूल किया।

पुलिस कमिश्नर ने सांगानेर सदर थाने में की जनसुनवाई

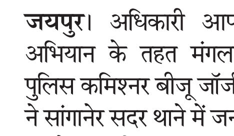

जयपुर। अधिकारी आपके द्वार अभियान के तहत मंगलवार को पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने सांगानेर सदर थाने में जनसुनवाई आयोजित की। शाम 4:30 बजे से देर रात तक चली इस सुनवाई में 140 परिवादियों ने अपनी समस्याएं रखीं। कमिश्नर ने 50 से अधिक मामलों का मौके पर निस्तारण किया, जबकि कई मामलों में तय समय सीमा में कार्रवाई के निर्देश दिए। कुछ मामलों में उच्च स्तरीय जांच भी कराई जाएगी। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर ने शहर की सुरक्षा के लिए सख्त निर्देश जारी किए।

जरूरी खबर

कार की टक्कर से पुलिस वैन पलटी, 11 घायल

अलवर। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर मंगलवार सुबह एक कार ने आगे चल रही पुलिस वैन को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार में आग लग गई, जिससे वह जलकर राख हो गई। वहीं, वैन व कार में सवार पुलिस के 7 जवानों सहित 11 लोग घायल हो गए। कार में रखे तीन लाख रुपए और सोना जल गया। जानकारी के अनुसार वैन में पुलिसकर्मी लक्ष्मण सिंह, विकास जाट, दुलीचंद, लोकेश यादव व सरदार सिंह थे। इनकी वैन को एक कार ने टक्कर मार दी।

एयर चीफ मार्शल शहीद मोगा के परिजनों से मिले

झुंझुनूं। वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह मंगलवार को मंडावा में शहीद सुरेंद्र मोगा के गांव मेहरादासी पहुंचे। उन्होंने शहीद को श्रद्धांजलि दी और परिवार को भरोसा दिलाया कि शहीद का बैटल कैजुअल्टी सर्टिफिकेट जल्द जारी करवा दिया जाएगा। उनके नाम पर स्कूल का नामकरण और वीरांगना सीमा देवी को नौकरी देने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सार्जेंट मोगा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए थे। इस दौरान वायुसेना अध्यक्ष के साथ एयर कमोडोर दीपक कुमार शर्मा (सीपीएसओ, वेस्टर्न एयर कमांड दिल्ली), ग्रुप कैप्टन प्रदीप (डीपीएमओ, वेस्टर्न एयर कमांड दिल्ली), ग्रुप कैप्टन एल. एस. चारण (स्टेशन कमांडर, एयर फोर्स स्टेशन उधमपुर) और ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज भी मौजूद रहे।

जासूसी के आरोप में डीआरडीओ का संविदाकर्मी अरेस्ट

जैसलमेर। राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जासूसी के आरोप में जैसलमेर के चांधन फील्ड फायरिंग रेंज स्थित डीआरडीओ गेस्ट हाउस के संविदाकर्मी को गिरफ्तार किया है। इंटेलिजेंस टीम गोपनीय सूचना के आधार महेंद्र प्रसाद की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी महेंद्र प्रसाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के संपर्क में था। वह सैन्य अभ्यास, मिसाइल व हथियारों के परीक्षण से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं एक हैंडलर को भेज रहा था। इस पर टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

शिक्षा का उद्देश्य बौद्धिक विकास और समाज सेवा हो: बागडे

बेधड़क | बांसवाड़ा

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा का समुचित उपयोग राष्ट्र व समाज की उन्नति में करना चाहिए। विद्यार्थी विद्या को अपने तक ही सीमित नहीं रखे, बल्कि इसे दूसरों को भी देने का प्रयास करें। वे मंगलवार को गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को भी रटाने की बजाय बौद्धिक क्षमता को विकसित करने पर जोर देना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य बौद्धिक क्षमता विकसित कर समस्या के समाधान का मार्ग निकालना है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य भी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना है। इस अवसर पर उन्होंने बांसिया भील, राणा पूंजा, राजा डूंगरिया, कालीबाई आदि को भी याद किया। कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

छात्रा को उपाधि प्रदान करते राज्यपाल हरिभाऊ बागडे।

जनजाति क्षेत्र में हो उच्च शिक्षा का प्रभावी प्रचार

राज्यपाल बागडे ने कहा कि गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय से अपेक्षा है कि वह जनजाति क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रभावी प्रचार करने का काम करें। इसलिए हमें शिक्षा में जनजातीय वर्ग के बच्चों की संख्या बढ़ानी है, ताकि शिक्षा के माध्यम से वे नौकरी व व्यवसाय कर सकें और उनकी गरीबी दूर हो। हमें प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्कूलों की शिक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां से डिग्री प्राप्त कर रहे युवाओं का कर्तव्य है कि वे अपने गांव के स्कूलों में हो रही पढ़ाई पर भी ध्यान दें।

34 विद्यार्थियों को बांटे गोल्ड मेडल

समारोह में 22 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि तथा 34 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इस अवसर पर राज्यपाल ने कौटिल्य शोध भवन व स्वामी विवेकानंद छात्र कल्याण भवन का लोकार्पण एवं संकाय भवन का शिलान्यास भी किया।

मां त्रिपुरा सुंदरी की पूजा करते राज्यपाल बागडे।

त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में की पूजा-अर्चना

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को बांसवाड़ा में शक्तिपीठ मां त्रिपुरा सुंदरी के मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मां त्रिपुरा सुंदरी से प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मध्यप्रदेश से सवाई माधोपुर पहुंची मादा चीता को किया रेस्क्यू

कूनो से निकली चीता 'ज्वाला' ने रणथंभौर में किया शिकार

- 130 किमी दूर बालेर गांव में बकरियों पर हमला
- सुबह बाड़े में चीता को देखकर ग्रामीणों में फैली दहशत
- रणथंभौर टीम नहीं कर पाई रेस्क्यू

बेधड़क | सवाई माधोपुर

मध्य प्रदेश के कूनो अभयारण्य से निकलकर एक मादा चीता 'ज्वाला' 130 किलोमीटर दूर सवाई माधोपुर जिले के बालेर गांव पहुंच गई। गांव में घुसने के बाद चीते ने यहां एक बाड़े में बंधी दो बकरियों को अपना शिकार बना लिया।

मंगलवार सुबह 6 बजे ग्रामीणों ने बाड़े में चीता को देखा तो गांव में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना टाइगर रिजर्व टीम को दी। सूचना पर वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे, लेकिन चीता के एग्रेसिव होने के कारण वन विभाग की टीम रेस्क्यू नहीं कर पाई। इसके बाद वन अधिकारियों ने कूनो नेशनल पार्क के अधिकारियों को जानकारी दी। कूनो नेशनल पार्क की टीम सुबह करीब 10 बजे बालेर गांव पहुंची और 15 मिनट में चीता ज्वाला को ट्रेंकुलाइज कर कूनो ले गई। सवाई माधोपुर का बालेर गांव मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले से सटा हुआ है।

बालेर गांव में चीते को रेस्क्यू करती टीम।

चंबल नदी पार कर बालेर पहुंची मादा चीता

वन विभाग के अनुसार मादा चीता 'ज्वाला' के गले में रेडियो कॉलर लगा है। रविवार को 'ज्वाला' श्योपुर जिले के मानपुर क्षेत्र में एक शावक के साथ नजर आई थी। सोमवार को वह अपने शावक से अलग हो गई और चंबल किनारे होते हुए बालेर गांव पहुंच गई। सुबह जब ग्रामीणों ने बकरियों के बाड़े में चीता को देखा तो वे हैरान रह गए। गांव में जब इसके बारे में पता चला तो भीड़ एकत्रित हो गई। बालेर रेंज से नरेश गोदारा और उनकी टीम ने रेस्क्यू का प्रयास भी किया, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए।

एक साल पहले कूनो से करौली पहुंच गया था चीता

ये पहली बार नहीं है कि मध्य प्रदेश के कूनो से चीता राजस्थान आया है। एक साल पहले भी 'पवन' नाम का चीता राजस्थान पहुंच गया था। चीता 'पवन' कूनो नेशनल पार्क से करीब 50 किलोमीटर दूर करौली पहुंचा था। करौली के सिमार में चीते का मूवमेंट मिलने के बाद एमपी के कूनो से आई टीम ने चीते को ट्रेंकुलाइज किया था। ये चीता 10 घंटे तक चंबल से सटे जंगलों में घूमता रहा।

बस्सी में पैंथर का मूवमेंट

जयपुर। बस्सी के नईनाथ धाम के पास सोमवार रात को पैंथर दिखाई दिया, जो घुमाव के पास बनी पानी की टंकी से पानी पीकर जंगल की ओर लौट गया। गश्त कर रही पुलिस टीम ने अपने मोबाइल कैमरे में पैंथर का वीडियो भी बनाया। कुछ दिनों पहले भी पैंथर पानी की टंकी के पास नजर आया था। क्षेत्र में लगातार पैंथर के मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों ने वन विभाग से पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है।

ज्वेलर की मौत के बाद किया था निलंबित

हेड कांस्टेबल की हार्ट अटैक से मौत, परिजनों का हंगामा

- मांगों पर सहमति के बाद करवाया पोस्टमार्टम

हेड कांस्टेबल की मौत के बाद प्रदर्शन करते राजपूत समाज के लोग।

बेधड़क | राजसमंद

कांकरोली थाने में पूछताछ के दौरान भीलवाड़ा के ज्वेलर की मौत के मामले के बाद लापरवाही बरतने के आरोप में जिन चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया था, उनमें से एक हेड कांस्टेबल की रात को हार्ट अटैक से मौत हो गई। हेड कांस्टेबल की मौत की सूचना पर मंगलवार को परिजनों सहित राजपूत समाज के लोग आरके हॉस्पिटल पहुंच गए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। परिजनों ने 5 करोड़ का मुआवजा, मृतक हेड कांस्टेबल पूरण सिंह के दोनों बेटों को सरकारी नौकरी व पुलिस टीम को बहाल करने की मांग रखी।

कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा व एसपी ममता गुप्ता ने समाज के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की। इसमें मांगों पर सहमति नहीं बनी। इसके बाद शाम को प्रशासन से फिर वार्ता हुई, जिसमें सरकार की ओर से 5 लाख की मुआवजा राशि व हिन्दुस्तान जिंक से ओर से भी मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद परिजन माने और शव का पोस्टमार्टम करवाया। एएसपी महेन्द्र पारीक ने कहा कि जांच टीम के चारों पुलिस कर्मियों को बहाल भी कर दिया है।

दरअसल, कांकरोली में चोरी की वारदात में चोरी का माल खरीदने वाले ज्वेलर को भीलवाड़ा से कांकरोली पुलिस की टीम लेकर आई थी। इस टीम में पूरण सिंह भी शामिल थे। 10 अगस्त को तबीयत बिगड़ने पर ज्वेलर की मौत हो गई थी। इसके बाद सर्राफा व्यापारियों ने प्रदर्शन करते हुए मुआवजा, बेटे को सरकारी नौकरी व पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी थी।

पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन से भेजा पैकेट

बॉर्डर पर मिली 8.50 करोड़ की ड्रग्स

बेधड़क | बीकानेर

खाजूवाला से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सोमवार रात को 8.50 करोड़ रुपए की ड्रग्स मिली। ये ड्रग्स का पैकेट बंदरी पोस्ट के पास फेंका गया था। यहां से पाकिस्तान बॉर्डर महज 130 किलोमीटर की दूरी पर है। बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट महेश कुमार जाट ने बताया कि बीएसएफ इंटेलिजेंस को सूचना मिली थी कि भारतीय सीमा में पाकिस्तान की ओर से ड्रग की बड़ी खेप भेजी जा रही है। ऐसे में पूरे एरिया का सर्वे किया। सर्च के दौरान बंदरी पोस्ट पर कीचड़ में पीले रंग का पैकेट मिला। इसे जब खोला गया तो इसमें 1.655 किलो ड्रग मिली। इस पैकेट को 6 अलग-अलग लेयर में पैक किया हुआ था। इसी पोस्ट पर दो साल पहले बीएसएफ ने तीन सौ करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की थी, जो अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई थी। इधर, जिस पोस्ट पर ये हेरोइन बरामद हुई है, इसी के आगे कोड़ेवाला पोस्ट पर 14 अगस्त को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आ रहे हैं। वे यहां बीएसएफ के जवानों से संवाद करेंगे।

बॉर्डर पर पड़े ड्रग्स के पैकेट को जब्त करते बीएसएफ के अधिकारी।

श्रीनगर थाना क्षेत्र की घटना: ग्रामीणों ने लगाया हत्या का आरोप

सड़क पर मिला भाजपा नेता का शव, धरना-प्रदर्शन

बेधड़क | अजमेर

श्रीनगर थाना क्षेत्र में सोमवार रात को भाजपा नेता का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। वे भाजपा नेता को जेएलएन हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद ग्रामीण हत्या का आरोप लगाते हुए हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए और शव लेने से मना कर दिया। बुबानी निवासी सेतु सिंह ने बताया कि उनके बड़े भाई गंगाराम रावत सोमवार शाम को घर से श्रीनगर पेमेंट लेने के लिए निकले थे। रात को घर नहीं आने पर बेटे हंसराज ने फोन किया तो किसी अनजान व्यक्ति ने कॉल उठाया और कहा कि गांव नोलखा क्षेत्र में उनकी बॉडी पड़ी हुई है। सूचना पर बेटा और परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना पर मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने भी सबूत जुटाए हैं। सेतु ने बताया कि कुछ दिन पहले कुछ लड़कों ने गंगाराम को देख लेने की धमकी दी थी। सेतु ने आरोप लगाया कि उन लड़कों के द्वारा ही उसके भाई की हत्या की गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

भाजपा नेता की मौत के विरोध में प्रदर्शन करते परिजन व ग्रामीण।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का भीलवाड़ा दौरा

आधुनिक युग में तकनीकी शिक्षा आवश्यक: देवनानी

- एमएलवी महाविद्यालय में अमृत महोत्सव का किया उद्घाटन

बेधड़क | भीलवाड़ा

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मंगलवार को भीलवाड़ा के एक दिवसीय दौरे पर रहे। यहां उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। माणिक्य लाल वर्मा महाविद्यालय में आयोजित अमृत महोत्सव के उद्घाटन समारोह में देवनानी ने कहा कि अमृत महोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि 75 वर्षों की उपलब्धियों का जश्न है। इस महाविद्यालय ने अनेक विद्यार्थियों को दिशा व उद्देश्य प्रदान कर जिले एवं संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम में देवनानी ने कहा कि वर्तमान युग में तकनीकी ज्ञान, शिक्षा, भाषा और संस्कारों की विशेष भूमिका है। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक अशोक कोठारी द्वारा विधायक निधि से स्वीकृत 15 लाख रुपए से निर्मित कंप्यूटर कक्ष और स्मार्ट कक्षा का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा आज की आवश्यकता है और ये स्मार्ट कक्षाएं इसमें अहम भूमिका निभाएंगी।

एमएलवी महाविद्यालय में सम्मान समारोह के दौरान स्पीकर देवनानी।

'फाइव डी' के माध्यम से जीवन मूल्यों को समझाया

अपने संबोधन में देवनानी ने पांच 'डी' - Decorum, Discipline, Determination, Devotion, Development - के माध्यम से जीवन मूल्यों को समझाया। उन्होंने कहा कि जीवन में मर्यादा, अनुशासन, संकल्प, समर्पण से ही विकास संभव है। उन्होंने युवाओं को विदेशी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी उत्पाद अपनाने की प्रेरणा दी और इसे देश की आर्थिक मजबूती के लिए जरूरी बताया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, महापौर राकेश पाठक, उप जिला प्रमुख शंकर गुर्जर सहित कई जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय स्टाफ व बड़ी संख्या में विद्यार्थी, एनसीसी, स्काउट गाइड कैडेट उपस्थित रहे।

शहीद हेमू कालानी स्मारक एवं मूर्ति का किया अनावरण

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अमर शहीद हेमू कालानी भारत के सबसे कम उम्र के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उनका साहस और बलिदान आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा है। यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति का संदेश देगा और शाहपुरा के लिए ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर बनेगा। देवनानी मंगलवार को शाहपुरा स्थित सिंधी कॉलोनी में हेमू कालानी की मूर्ति अनावरण समारोह में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम महाराज के सान्निध्य में नगर पालिका शाहपुरा व पूज्य सिंधी पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। उन्होंने बताया कि हेमू कालानी न सिर्फ अच्छे छात्र थे, बल्कि कुशल तैराक, साइकिल चालक और धावक भी थे। 19 वर्ष की आयु में देश के लिए फांसी पर चढ़ना राष्ट्रधर्म का सर्वोच्च आदर्श है। इस अवसर पर विधायक लालाराम बैरवा, शहीद के परिवारजन कमला, सुरेश और नरेश कालानी उपस्थित रहे।

राजसमंद व बीकानेर में कार्रवाई

15 हजार की घूस लेते वीडीओ व चपरासी ट्रैप

बेधड़क | राजसमंद

एसीबी ने 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते कालेसरिया के ग्राम विकास अधिकारी और चपरासी को गिरफ्तार किया है। एसीबी राजसमंद के एएसपी हिम्मत चारण ने बताया कि ये रिश्वत पीएम आवास योजना में स्वीकृत मकान की बकाया किस्तें जमा कराने की एवज में मांगी थी। परिवादी की शिकायत पर एसीबी ने शिकायतकर्ता को 15 हजार रुपए देकर भेजा। इसके बाद टीम ने ग्राम विकास अधिकारी जसराज और चपरासी तोलाराम को रिश्वत लेते टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

पटवारी को पांच हजार लेते दबोचा

बीकानेर। एसीबी टीम ने घड़साना तहसील कार्यालय में पटवारी को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा। पटवारी ने किसान से 15 हजार रुपए रिश्वत की डील की थी। परिवादी किसान ने पटवारी अंकुश बाघला के खिलाफ जमीन इंतकाल चढ़ाने के लिए रिश्वत मांगने की शिकायत की थी। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करवाया, जिसमें पटवारी अंकुश बाघला ने किसान से 15 हजार रुपए में से 10 हजार रुपए ले लिए थे। शेष पांच हजार रुपए लेते टीम ने पटवारी को गिरफ्तार कर लिया।

‘रूमा देवी-सुगनी देवी अक्षरा छात्रवृत्ति-2025’ कार्यक्रम में सपनों को मिला संबल

25 लाख की छात्रवृत्ति, 8 बेटियों को 1-1 लाख का अवार्ड

बेधड़क | जयपुर

रूमा देवी फाउंडेशन और गढ़वाल फैमिली फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को कांस्टीट्यूशन क्लब, जयपुर में ‘रूमा देवी-सुगनी देवी अक्षरा छात्रवृत्ति-2025’ कार्यक्रम के द्वितीय चरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं।

छात्रवृत्ति का चेक सौंपतीं उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और रूमादेवी। साथ में हैं मंत्री अविनाश गहलोत, मंत्री के.के. विश्नोई, विधायक आदुराम मेघवाल, महापौर सौम्या गुर्जर और अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि।

इस अवसर पर जरूरतमंद और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 25 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। साथ ही, मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश लेने वाली ग्रामीण पृष्ठभूमि की 8 बेटियों को 1-1 लाख रुपए के स्कॉलर्स अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस वर्ष शिक्षा के लिए 1 करोड़ और खेल को बढ़ावा देने के लिए 2 करोड़ रुपए सहित कुल 3 करोड़ रुपए की राशि दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि कार्यक्रम की पहलकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रूमा देवी, जिन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण आठवीं कक्षा में पढ़ाई छोड़ दी थी, आज ग्रामीण भारत की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि हर गांव और जिले से एक रूमा देवी निकलनी चाहिए। हुनर, हैंडीक्राफ्ट और शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सरकार उनके फाउंडेशन के साथ मिलकर कार्य करेगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हम हैं एक मजबूत राष्ट्र

दीया कुमारी ने विभाजन विभीषण स्मृति दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को आजादी आसानी से नहीं मिली, लेकिन आज हम एक मजबूत और स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में खड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सामने आने वाली चुनौतियों का मजबूती से सामना कर रहे हैं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, मंत्री अविनाश गहलोत, मंत्री के.के. विश्नोई, विधायक आदुराम मेघवाल, महापौर सौम्या गुर्जर, के.के. पाठक (आईएएस), अंजू (आईएएस), ललित के. पवार (पूर्व आईएएस), श्याम सिंह (संपादक, पाथेय कण), रूमा देवी (डायरेक्टर, रूमा देवी फाउंडेशन), सुशीला देवी, शारदा देवी (गढ़वाल परिवार) सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दीया कुमारी का स्वागत करतीं रूमा देवी व अन्य।

Yuva स्टोरीज

कैम्ब्रिज कैंपस ने जीते 4 मेडल

बेधड़क, जयपुर। गुजरात के गांधीनगर स्थित पिनेकल स्कूल में आयोजित सीबीएसई वेस्ट जोन क्लस्टर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में कैम्ब्रिज कैंपस वर्ल्ड स्कूल, वैशाली नगर (वेस्ट) के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 4 मेडल जीते हैं। विद्यालय के प्रबंधक शिवराम चोपड़ा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कैम्ब्रिज कैंपस के शौर्यवर्धन सिंह ने सिल्वर मेडल, दिव्यांशु कुमावत, बादल वर्मा और आर्यन नायक ने ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। इस अवसर पर शिवराम चोपड़ा एवं प्रधानाचार्य ने सभी प्रतिभागी छात्रों और कोच आर्यन गुर्जर को उनकी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दीं । विद्यालय पहुंचने पर सभी छात्रों का स्टाफ और छात्रों की ओर से स्वागत किया गया।

TPTI के लिए MOU पर हस्ताक्षर

बेधड़क, जयपुर। सप्त शक्ति कमान ने सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की के सहयोग से ‘आधुनिक निर्माण पद्धतियां एवं उभरती प्रौद्योगिकियां’ विषय पर तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह और सीबीआरआई के निदेशक प्रोफेसर आर. प्रदीप कुमार के बीच तृतीय पक्ष तकनीकी निरीक्षण (TPTI) के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने सैन्य संगठनों में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे और आवास के महत्व को रेखांकित करते हुए, गुणवत्ता नियंत्रण में तृतीय पक्ष देखरेख की भूमिका पर बल दिया। इस अवसर पर ‘आपका सशक्तीकरण’ शीर्षक से एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। सीबीआरआई के वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में नवीन और टिकाऊ निर्माण तकनीकों पर व्याख्यान और इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किए।

अहिंसा कर देती है सारे दुखों का खात्मा

बेधड़क, जयपुर। कीर्ति नगर स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगलवार को आयोजित धर्मसभा में मुनि आदित्य सागर महाराज के प्रवचन हुए। इस अवसर पर मुनि आदित्य सागर महाराज ने कहा कि हमारे दुख का कारण हम स्वयं होते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम अच्छे कार्य करते हैं तो पुण्य बंध होता है और जब गलत कार्य करते हैं तो पाप के बंध से दुख की प्राप्ति होती है। जब तक हम अपनी मर्यादा में चलेंगे, तब तक हमें दुख की प्राप्ति नहीं होगी। जिस दिन हम मर्यादा से बाहर चले जाते हैं, तभी से दुख मिलने शुरू हो जाते हैं। जीव जब अहिंसक प्रवृत्ति की ओर आएगा तो उसे सुख मिलेगा, अहिंसा सारे दुखों को समाप्त कर देती है। प्रचार-प्रसार मुख्य समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि 23 अगस्त को जैनत्व दंपति संस्कार-2025 का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दंपतियों को संस्कार दिए जाएंगे।

गोबर के गणपति हाथोज धाम में भेंट

बेधड़क, जयपुर। गोपाल गौशाला किशनगढ़-रेनवाल के अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर हाथोज धाम के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने हाथोज धाम पीठाधीश्वर बालमुकुंदाचार्य से मुलाकात की और उन्हें गौमाता के गोबर, चंदन, हल्दी, गाय के घी और मिट्टी से तैयार गणपति की मूर्ति भेंट की। कैलाश शर्मा ने बताया कि गणेश चतुर्थी के लिए गौमाता के गोबर से गणपति की मूर्तियां तैयार की गई हैं। हाथोज धाम पीठाधीश्वर स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि हमें गौ उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर गोपाल गौशाला की सदस्य एडवोकेट प्रिया शर्मा भी उपस्थित रहीं।

नन्हे राधा-कृष्ण देख भक्त भावविभोर

बेधड़क, जयपुर। जयपुर के आराध्य गोविंद देव जी मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के तहत छोटे-छोटे कृष्ण और राधा ने भजनों की धुन पर नृत्य किया। महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बच्चों ने नटखट अदाओं से सभी का मन मोह लिया। एसएमएस ब्लड बैंक युवा जन सेवा संघ के कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि बुधवार को सुबह राधा गोविंद सखी परिवार, दोपहर को हरिनाम संकीर्तन परिवार और शाम को अविनाश शर्मा भजनों की प्रस्तुतियां देंगे।

विश्व हाथी दिवस: हाथी महोत्सव में हुआ हाथियों का अनूठा फैशन शो

पारंपरिक आभूषण पहन रैंप पर उतरे गजराज

बेधड़क | जयपुर

रैंप पर मॉडल्स को चलते तो हमने कई बार देखा है, लेकिन जब रैंप वॉक गजराज ने की तो लोगों का रोमांच चरम पर पहुंच गया। सजे-धजे हाथियों ने न केवल फैशन रैंप वॉक की, बल्कि अपनी अदाओं से सबको खुश भी किया। यह अनूठा नजारा था विश्व हाथी दिवस पर जयपुर-दिल्ली रोड स्थित हाथी गांव में हाथी गांव विकास समिति की ओर से आयोजित हाथी महोत्सव में हाथियों के फैशन शो का, जिसमें अलग-अलग रूप में हाथियों ने रैंप वॉक किया। इसका उद्देश्य हाथियों के संरक्षण, घटती आबादी पर ध्यान दिलाना, उनके आवास की रक्षा और उनके प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। गौरतलब है कि दुनिया में हाथियों की दो प्रजातियां - अफ्रीकी हाथी और एशियाई हाथी पाई जाती हैं। यह दिन पहली बार 2012 में थाईलैंड में मनाया गया था।

सर्वश्रेष्ठ को मिला पुरस्कार

हाथी गांव विकास समिति अध्यक्ष बल्लू खान ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर राजस्थान सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन को संस्कृति, विज्ञान और संरक्षण जागरूकता का अनूठा संगम बताया। पहली बार हाथियों के लिए विशेष फैशन शो का आयोजन किया गया, जिसमें हाथी पारंपरिक आभूषण पहनकर रैंप वॉक करते नजर आए। हाथी मालिकों ने अपने-अपने हाथियों को सुंदर तरीके से सजाया। सर्वश्रेष्ठ हाथी, सर्वश्रेष्ठ महावत और सर्वश्रेष्ठ मालिक के अवार्ड भी प्रदान किए गए।

हाथी पोषण पर लिखी पुस्तक का विमोचन

कार्यक्रम में कैप्टिव हाथियों पर पीएचडी शोध करने वाले भारत के एकमात्र शोधकर्ता एवं हाथी पोषण विशेषज्ञ डॉ. धर्मेंद्र छरंग लिखित पुस्तक ‘न्यूट्रिशनल इनसाइट्स फॉर एलीफेंट हेल्थ’ का भी विमोचन किया गया। डॉ. छरंग ने बताया कि उन्होंने हाथी गांव के ही हाथियों पर शोध कर उनके आहार से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव, संरक्षण, इकोलॉजी, बायोलॉजी, पोषण और हसबैंड्री प्रैक्टिसेज को पुस्तक का रूप दिया है। शोध कार्य, प्रयोगशाला विश्लेषण और लेखन में 4 वर्ष से अधिक का समय लगा। अनुसंधान और वेलफेयर कार्य करने के लिए समिति ने डॉ. छरंग को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्य रोग निदान प्रयोगशाला जयपुर के सीनियर पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लेनिन भट्ट, मथुरा वेटरनरी कॉलेज के बायोकैमिस्ट्री विभाग के प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ. विजय पांडे, हाथी मालिक सलीम खान, अयूब खान, नासिर खान, वाजिद खान सहित 150 महावत और पर्यटक मौजूद रहे।

फोटो: पंकज शर्मा

प्रदर्शनी में 75 कलाकृतियां प्रदर्शित

बेधड़क, जयपुर। कलानेरी आर्ट गैलरी में पेंटिंग प्रदर्शनी ‘मानसून वाइब्स’ का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि रजनीश परदल, विशिष्ट अतिथि सुधीर माथुर और सुधीर जैन गोधा ने किया। प्रदर्शनी में देशभर से आए 21 कलाकारों की 75 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। इन कलाकृतियों में एब्स्ट्रेक्ट, रियलिस्टिक, सेमी-रियलिस्टिक, लैंडस्केप, वाइल्डलाइफ और पोर्ट्रेट जैसे विभिन्न शैलियों के चित्र शामिल हैं। कलाकारों में इंदौर से राजेंद्र भाटिया, अहमदाबाद से सिद्धार्थ पटेल और अदिति जैमिनी, मुंबई से सूरज पटेल, जयपुर से नीलम जैन और निक्की शर्मा सहित अन्य कलाकारों की कृतियां प्रदर्शित की गई हैं। इंदौर के राजेंद्र भाटिया ह्यूमन फिगर में इंप्रेस्टो तकनीक का प्रयोग कर आकर्षक पोर्ट्रेट बना रहे हैं। वे दो दिवसीय वर्कशॉप में स्टूडेंट्स को प्रशिक्षण भी देंगे। गैलरी ओनर सौम्या विजय शर्मा ने बताया कि यह प्रदर्शनी मानसून सीजन से फेस्टिव सीजन की शुरुआत तक खुली रहेगी।

माता को हिंडोले में झुलाकर गाए मंगल गीत

बेधड़क, जयपुर। सिन्धी समाज की महिलाओं ने सुहागिनों का पर्व टीजड़ी भक्ति भाव के साथ मनाते हुए शहर में संस्कृति को बढ़ाया। महिलाओं ने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए टीजड़ी (गौरी) माता का व्रत किया। भोर होने से पूर्व उठकर कोकी, मीठी मानी आदि डिशेज बनाकर अल्पाहार किया। फिर दिन भर निराहार रहकर उपवास रखा। पंडित जीतू महाराज ने बताया कि महिलाओं ने दोपहर में ब्राह्मण के घर जाकर टीजड़ी माता की कथा सुनी व टीजड़ी माता को हिंडोले में झुलाया। समाज के तुलसी संगतानी ने बताया कि पूजा के बाद महिलाओं ने मीठा जल ग्रहण किया। इस मौके पर टीजड़ी माता को हिंडोले में झुलाकर मां की आराधना की गई। रात्रि में चंद्रोदय होने पर महिलाओं ने लाल व गुलाबी रंग के वस्त्र पहनकर चंद्रमा को दूध और कुट्टी (चूरमे) का अर्घ्य देकर अखंड सौभाग्य का वर मांगा। शहर की सिंधी कॉलोनियों आदर्श नगर, बसंत बहार, बनीपार्क, कंवर नगर, शास्त्री नगर, मानसरोवर, प्रताप नगर सहित कई स्थानों पर मीना संगतानी, कंचन भंबानी, जयश्री जेठानी और तनु जेठानी आदि ने पूजन-अर्चना के विशेष आयोजन किए।

पुण्डरीक गोस्वामी की कथा आज से

बेधड़क, जयपुर। गायत्री देवी साबू की 25वीं पुण्यतिथि पर बिड़ला ऑडिटोरियम में 13 से 19 अगस्त तक भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा की शुरुआत कलश यात्रा से होगी, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए बिड़ला ऑडिटोरियम पहुंचेगी। वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक पुंडरीक गोस्वामीजी महाराज भागवत कथा का वाचन करेंगे। आयोजक उमेश बंटी साबू ने बताया कि यह आयोजन गायत्री देवी साबू को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना जीवन धर्म और समाजसेवा को समर्पित किया। जयपुर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने पहुंचेंगे जिनके लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। कथा का समापन 19 अगस्त को भंडारे और प्रसाद वितरण के साथ होगा।

बुक्स डिजिटाइजेशन के महत्व पर मंथन

बेधड़क | जयपुर

सवाई मान सिंह चिकित्सा कॉलेज जयपुर के डॉ. रॉबर्ट गिल लाइब्रेरी में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रो. एस.आर. रंगनाथन के योगदान को स्मरण करते हुए पुस्तकालयों में पुस्तकों के डिजिटाइजेशन के महत्व पर विचार हुआ। इस अवसर पर राजस्थान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग के पूर्व प्रोफेसर एस.पी. सूद को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही एम.फिल और पी.फिल की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट व पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर प्रो. आर.एल. मीना, प्रो. जगमोहन सिंह, प्रो. वाई.एस. मेघवाल, डॉ. पी.सी. गुप्ता, डॉ. फतेह सिंह, डॉ. ललितेश गुप्ता और डॉ. मनीषा सांगवा ने विचार साझा किए। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. एस.पी. सूद ने सहयोगियों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. पी.आर. मीनू ने किया और अंत में डॉ. मीनाक्षी बिष्ट ने आभार जताया।

संस्कृत में वैज्ञानिक शोध को दें बढ़ावा

बेधड़क | जयपुर

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में संस्कृत सप्ताह-2025 का समापन समारोह सारस्वत सभागार में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी रहे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने की। संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के निदेशक प्रो चांद किरण सलूजा,कान्ता प्रसाद सिन्हा विशिष्ट अतिथि थे।

अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. मदन मोहन झा ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रो.दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि संस्कृत में वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इस मौके पर सारस्वतव्रती सम्मान मेरठ के प्रो. वाचस्पति मिश्र एवं बैंगलोर के प्राचार्य महाबलेश्वर भट्ट को, सरस्वती सम्मान प्रो. आर.एन. अय्यंगर को, कविव्रती सम्मान प्रो. मनोहरलाल आर्य को दिया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मधुकेश्वर भट्ट ने और धन्यवाद ज्ञापन संयोजिका प्रो. लीना सक्करवाल ने किया।

वैश्विक निवेश बनाम भारत का सीमित बजट

एआई की वैश्विक दौड़ में भारत

मनीष कुमार चौधरी
स्वतंत्र पत्रकार

> "छात्रों के अलावा, भारत में बड़ी संख्या में अनौपचारिक कर्मचारी भी रहते हैं, जिसका अर्थ है, नौकरी की सुरक्षा, स्थिर आय या औपचारिक प्रशिक्षण तक पहुंच के बिना काम करने वाले कर्मचारी। इस क्षेत्र में पैकेजिंग वर्कर, डिलीवरी स्टाफ, टेक्सटाइल फैक्ट्री वर्कर आदि की नौकरियां शामिल हैं। एआई और ऑटोमेशन इन क्षेत्रों को बुरी तरह प्रभावित कर सकते हैं, खासकर इसलिए, क्योंकि इनमें से ज्यादातर नौकरियों में बार-बार हाथ से काम करना शामिल है।"

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक शक्तिशाली तकनीक के रूप में विकसित हो रहा है। यह अब स्मार्टफोन और कंप्यूटर तक सीमित नहीं है। यह ऑटोमेशन और डीप लर्निंग को बढ़ावा दे रहा है। एआई हमारे संवाद करने, सीखने, नवाचार करने और लगभग हर काम करने के तरीके को बदल रहा है। भारत भी वैश्विक एआई दौड़ में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। दुनिया की 15 प्रतिशत एआई प्रतिभा, एक जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और प्रमुख तकनीकी कंपनियों से बढ़ते निवेश के साथ देश में एआई पावरहाउस बनने के लिए सभी तत्व मौजूद हैं। फिर भी, इन लाभों के बावजूद भारत अमेरिका और चीन जैसे वैश्विक नेताओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष कर रहा है। दुनिया के सबसे भाषाई रूप से विविध देशों में से एक भारत एक अद्वितीय तकनीकी चौराहे पर खड़ा है। यह समृद्ध भाषाई विविधता न सिर्फ एक सांस्कृतिक संपत्ति है बल्कि पहचान, जुड़ाव और सूचना और ज्ञान तक पहुंच का माध्यम भी है। भारत कई भाषाओं में लिखता है और कई आवाजों में बोलता है, फिर भी इसका संचार कभी कम नहीं हुआ है। इसलिए देश को एक ऐसे एआई की आवश्यकता है, जो इसकी समृद्ध और विविध संस्कृति का सम्मान करे।

जब हम इस बदलाव के मुहाने पर खड़े हैं, तो यह जानना जरूरी है कि हमें किस तरह के एआई की जरूरत है? स्वदेशी आधारभूत एआई मॉडल की अनुपस्थिति, सीमित शोध अवसंरचना और अपर्याप्त सरकारी निधि एआई क्रांति में भारत की अगुआई करने की क्षमता के बारे में चिंताएं बढ़ाती हैं। सरकार ने स्वदेशी एआई मॉडल के तेजी से विकास का वादा किया है, लेकिन चुनौतियां बहुत बड़ी हैं। अमेरिका और चीन जैसे देशों ने मजबूत एआई पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में वर्षों बिताए हैं। शोध, शिक्षा और सैन्य अनुप्रयोगों में बड़ा निवेश किया है। अमेरिका ने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 500 बिलियन डॉलर का भारी-भरकम निवेश किया है, जबकि चीन ने खुद को वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने के लिए 137 बिलियन डॉलर अलग रखे हैं। इसके विपरीत, भारत का एआई मिशन केवल 1 बिलियन डॉलर का है, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक राशि का एक छोटा-सा अंश है।

महत्वपूर्ण सरकारी समर्थन के बिना भारतीय स्टार्टअप और विश्वविद्यालयों से यह उम्मीद करना अवास्तविक है कि वे अपने दम पर इस अंतर को पाट लेंगे। भारत को केवल इंजीनियरिंग और डेवलपमेंट पर ही नहीं, बल्कि एआई रिसर्च और इनोवेशन पर भी ध्यान देना चाहिए। लेकिन हमारे यहां उन्हीं मॉडलों का अनुसरण किया जा रहा है, जो पहले से हैं। भारत में लगभग 850 एआई स्टार्टअप हैं। उनमें से सिर्फ तीन प्रतिशत स्टार्टअप एआई इंफ्रास्ट्रक्चर व फाउंडेशन मॉडल्स पर काम कर रहे हैं। इसके सीधे मायने यह हैं कि भारत अभी तक गूगल, ओपन एआई और मेटा जैसी कंपनियों के स्तर के एआई मॉडल बनाने में अधिक सक्रिय नहीं हुआ है। करीब 22 प्रतिशत स्टार्टअप एआई टूलिंग और 66 प्रतिशत एआई एप्लीकेशंस पर काम कर रहे हैं। एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए बहुत अधिक डेटा की आवश्यकता होती है। भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के चलते यह और जटिल हो जाता है। कई भारतीय भाषाओं को समझने और सटीक रूप से प्रतिक्रिया देने के लिए मॉडल को प्रशिक्षित करने में व्यापक संसाधनों की आवश्यकता होती है, लेकिन इस अंतर को दूर करने के लिए बहुत कम काम किया गया है। अच्छी तरह से संरचित डेटासेट तक पहुंच के बिना सबसे उन्नत एआई मॉडल भी भारतीय संदर्भ में प्रभावी होने के लिए संघर्ष करेंगे।

इसके अतिरिक्त, भारत का एआई क्षेत्र लगातार ब्रेन ड्रेन (प्रतिभा पलायन) का सामना कर रहा है, क्योंकि भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक स्तर पर मांग है। कई शीर्ष एआई शोधकर्ता और इंजीनियर बेहतर फंडिंग, शोध सुविधाओं और कॅरिअर के अवसरों के कारण अमेरिका या यूरोप में काम करना पसंद करते हैं। चीन के विपरीत, जहां सरकार ने एक मजबूत शैक्षणिक और कॉर्पोरेट एआई शोध पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है, भारत का शोध वातावरण कमजोर बना हुआ है। विश्वविद्यालयों और निजी कंपनियों को केवल अल्पकालिक वाणिज्यिक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय दीर्घकालिक अनुसंधान और विकास क्षमताओं का निर्माण करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

हालांकि भारत ने पहले ही तकनीकी अंतर को दूर करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, जैसा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की सफलता में देखा गया है। डिजिटल भुगतान क्रांति सरकार, उद्योग और शिक्षाविदों के बीच एक मजबूत साझेदारी के माध्यम से संभव हुई। इस मॉडल को एआई के लिए दोहराया जाना चाहिए, जहां राज्य समर्थित पहल महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रदान करती हैं, निजी कंपनियां नवाचार में निवेश करती हैं और विश्वविद्यालय मौलिक शोध को आगे बढ़ाते हैं। अल्पावधि में भारत ओपन-सोर्स मॉडल और मौजूदा वैश्विक प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर अपने एआई विकास को गति दे सकता है। लेकिन लंबे समय में एआई में रणनीतिक स्वायत्तता के लिए यदि भारत निर्णायक रूप से कार्य करने में विफल रहता है, तो यह इस क्षेत्र में अग्रणी होने के बजाय अन्यत्र विकसित एआई प्रौद्योगिकियों का उपभोक्ता मात्र बनकर रह जाएगा।

इधर, एआई से जुड़ी नौकरियों में बने रहने के लिए भी भारत को तेजी से अपने कौशल को बढ़ाना होगा। गूगल और एशियाई विकास बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को एआई से जुड़े भविष्य को अपनाने के लिए अभी से कदम उठाने चाहिए। दुनिया में सर्वाधिक कार्यबल होने के बावजूद भारत को तत्काल सुलभ और प्रभावी एआई से जुड़ी नौकरियों को बढ़ाने की जरूरत है। गौरतलब है कि एआई वर्ष 2030 तक एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक का योगदान देगा। भारत अपनी युवा और सबसे तेजी से बढ़ती आबादी के साथ इस संभावना को हकीकत में बदल सकता है। लेकिन, कई युवा या तो अपनी पहली नौकरी की तलाश में हैं या बेहतर अवसरों के लिए कौशल बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, कौशल के रूप में जो प्रदान किया जा रहा है और नियोक्ता जो चाहते हैं, उसके बीच एक विसंगति प्रतीत होती है। आज नियोक्ताओं द्वारा मांगे जाने वाले उम्मीदवार प्रोफाइल कुछ साल पहले के लोगों से नाटकीय रूप से भिन्न हैं। पारंपरिक डिग्री अब केवल आवश्यकता नहीं है, आज कंपनियां आलोचनात्मक सोच, अनुकूलनशीलता और एआई उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता जैसे कौशल की तलाश कर रही हैं।

छात्रों के अलावा, भारत में बड़ी संख्या में अनौपचारिक कर्मचारी भी रहते हैं, जिसका अर्थ है, नौकरी की सुरक्षा, स्थिर आय या औपचारिक प्रशिक्षण तक पहुंच के बिना काम करने वाले कर्मचारी। इस क्षेत्र में पैकेजिंग वर्कर, डिलीवरी स्टाफ, टेक्सटाइल फैक्ट्री वर्कर आदि की नौकरियां शामिल हैं। एआई और ऑटोमेशन इन क्षेत्रों को बुरी तरह प्रभावित कर सकते हैं, खासकर इसलिए, क्योंकि इनमें से ज्यादातर नौकरियों में बार-बार हाथ से काम करना शामिल है। एक और बड़ी बाधा डिजिटल पहुंच है, क्योंकि कई ग्रामीण इलाकों में लोगों के पास या तो स्मार्टफोन नहीं हैं या इंटरनेट तक पहुंच नहीं है। महिलाओं की बात करें तो वे भारतीय कार्यबल का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा हैं और कुछ हद तक उन भूमिकाओं में भी ज्यादा प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनमें ऑटोमेशन का सबसे ज्यादा जोखिम है, जैसे कि ऑफिस सपोर्ट और रिटेल सेवाएं। कई महिलाएं पारिवारिक दायित्वों के कारण कार्यबल से बाहर हो जाती हैं और जो फिर से प्रवेश करती हैं, उन्हें तेजी से बदलते जॉब मार्केट का सामना करना पड़ता है। महिलाओं और डिजिटल रूप से वंचित समूहों को शामिल करने के लिए ठोस प्रयासों के बिना एआई को अपनाना मौजूदा असमानताओं को बढ़ा सकता है। भारत जैसे देशों में, जहां कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा वर्तमान में डेटा लेबलिंग और एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने जैसे श्रम-गहन कार्यों में लगा हुआ है, भविष्य के बारे में एक बड़ा सवाल है। जैसे-जैसे ये प्रक्रियाएं तेजी से स्वचालित और परिष्कृत होती जा रही हैं, उन लाखों लोगों के लिए क्या ऐसे ही अवसर तब भी मौजूद होंगे, जिनकी आजीविका आज इन भूमिकाओं पर निर्भर करती है? उच्च-मूल्य वाले एआई और तकनीक से संबंधित नौकरियों में पुनः कौशल और जगह बनाने के लिए सक्रिय योजना के बिना आबादी का बड़ा हिस्सा एआई क्रांति में पीछे छूट सकता है। इस सच से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि एआई संचालित अर्थव्यवस्था में कौशल और प्रशिक्षण में पारंगत हुए बगैर भारत के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों को भी रोजगार पाने में संघर्ष करना पड़ेगा।

भारत की एआई कौशल पहलों को व्यावहारिक कौशल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो सीधे नौकरी के लिए तैयार हो सकते हैं। एशिया-प्रशांत में किए सर्वेक्षण से पता चलता है कि केवल 15 प्रतिशत श्रमिकों ने किसी भी एआई कौशल पहल में भाग लिया है। भारत में यह संख्या और भी कम हो सकती है, जो भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए जागरुकता अभियानों की आवश्यकता को इंगित करती है। भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम (एमएसएमई) 90 प्रतिशत से अधिक व्यवसायों का निर्माण करते हैं और वे कार्यबल के एक बड़े हिस्से को रोजगार देते हैं। इनमें से अधिकांश एमएसएमई में कर्मचारियों को एआई उपकरणों में प्रशिक्षित करने के लिए संसाधनों की कमी है। चूंकि काम का भविष्य यहीं है, इसलिए भारत को अभी से कदम उठाने चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

व्यंग्य

बाल सफेद होने का मतलब

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

बाल सफेद होने का अब कोई मतलब ही नहीं रह गया है। पहले यही सफेद बाल व्यक्तित्व की पहचान थे। बाल सफेद होने पर आदमी को समझदार, शिष्ट तथा गरिमामय माना जाता था। राजा दशरथ ने एक बार कान के पास एक सफेद बाल देखा तो उन्होंने राजपाट छोड़कर संन्यास की तैयारी कर ली थी। सफेद बालों की ही देन थी कि लोग संन्याश्रम एवं वानप्रस्थाश्रम में चले जाया करते थे। लंगोट लगा लेते थे। अब मामला ही उल्टा है। सारे वे काम सफेद बालों के बाद होने लगे हैं जो काले बालों में किए जाते थे। पचास वर्ष की उम्र में भी बाल सफेद हों तो लोग इसे खान-पान अथवा तेलादि का विकार मानकर शिष्टता धारण करने को ही तैयार नहीं हैं। उल्टे मेहंदी लगा लेंगे, सैलून में डाई करा लेंगे तथा अन्य कई प्रकार के लोशन लगाकर सफेदी को छुपा लेंगे। ज्यादा समझाओ कि भाई बाल सफेद हो गए, अब तो धैर्य धरो, तो कहेंगे कि बाल सफेद हो गए तो क्या, दिल तो अभी काला है। यह सही है कि जब तक दिल काला रहेगा, बाल सफेद होने का कोई अर्थ नहीं रहेगा। पहले के लोग ही मन से साफ होते थे और बाल सफेद होने के बाद तो और भी पावन-पाक हो जाया करते थे। अब देखिए सफेद बालों की आड़ में काले कारनामे किए जाते हैं। घर में मुखिया के बाल ज्योंही सफेद होने लगे कि वह संजीदगी ओढ़ कर साधु का आचरण करने लगता था। मोहल्ले के लोग 'ताऊ', 'बाबा' अथवा 'बूढ़ा' मानकर सम्मान दिया करते थे। उसकी बात को तवज्जो दी जाती थी। न्याय करने में ऐसे लोग पहल किया करते थे। उनकी न्यायप्रियता प्रसिद्ध होती थी। अब देखिए सारी बेईमानियां इनकी आड़ में करने का प्रयास किया जाता है। अब सफेद बालों वाले आदमी से 'ताऊ' अथवा 'बाबा' कहकर देखिए, उससे पहले उसकी पत्नी आपसे झगड़ लेगी। तुरंत बाजार जाकर बाल काला करने की दवा ले आएंगी तथा पेंट सिर पर मलना शुरू कर देंगी। वे नहीं चाहतीं कि उन पर असमय ही बुढ़ापा थोपा जाए। शरीर से बूढ़े हुए लोग मन से जवान रहने के कारण सफेद बालों की विशिष्टता को नकार रहे हैं। बाल सफेद होने की प्रक्रिया से अकेला पुरुष ही परेशान हो, ऐसा नहीं है। महिलाएं भी इनका नामो-निशान मिटाकर इनकी खेती को समूल नष्ट करने की दिशा में जागरूक हैं। जो महिलाएं चालीस साल की उम्र में बुढ़ापे के चिन्ह शरीर पर आने पर अपना गौरव समझती थीं, अब देखिए महिलाएं अपनी षष्टिपूर्ति के बाद भी इस फसल को सिर पर नहीं देखना चाहतीं। वे भी बालों को दवा, मेहंदी अथवा ब्यूटी पार्लर में जाकर काले करा रही हैं। सफेद बालों की यह समस्या दिनों-दिन विकट होती जा रही है। महिलाओं का सामान्यतः इस मामले में तर्क यह है कि यदि वे सफेद बालों को पनपने दें तो पुरुष उनकी ओर देखना बंद कर देते हैं। कमोबेश रूप में यही स्थिति पुरुषों की है। वे भी पचास क्रॉस कर जाने के बाद भी यही चाहते हैं कि कोई हसीना उन पर भी एक न एक दिन नजर डालेगी, यदि उस समय उनके सिर पर बाल सफेद हुए तो सारा खेल बिगड़ जाएगा। इसलिए वे भी बाल रंग रहे हैं। अनेक लोगों को देखा है, वे बच्चों से सफेद बाल तुड़वाते रहते हैं। बच्चों का इससे मन भी लग जाता है तथा पुरुषों की समस्या भी हल हो जाती है। परंतु यह व्यवस्था बाल कम संख्या में सफेद हों तब तक ही कामयाब रहती है। बाल सघन रूप से सफेद होने के बाद यदि इस व्यवस्था को जारी रखा जाए तो गंजा होने के अवसर बढ़ जाते हैं।

X

शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री
@ChouhanShivraj
अन्न हमारा जीवन है, अन्न ही ब्रह्म है। किसान अन्न देता है, इसलिए वह अन्नदाता भी है और जीवनदाता भी। कृषि मंत्री के रूप में मुझे हमेशा यही लगता है कि किसानों की सेवा ही भगवान की पूजा है और इससे बड़ी कोई पूजा नहीं हो सकती। किसान मेरे रोम-रोम में रमे हैं, मेरी हर सांस में बसे हैं।

जोराराम कुमावत, कैबिनेट मंत्री
@JoraramKumawat
आज राजकीय आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में देवतुल्य जनता की समस्याओं को सुना एवं उनके शीघ्र निवारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री
@KumariDiya
जयपुर में रूमा देवी फाउंडेशन व गढ़वाल फैमिली फाउंडेशन द्वारा आयोजित रूमा देवी सुगणी देवी अक्षरा छात्रवृत्ति कार्यक्रम में सम्मिलित होकर क्षेत्र के प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित कर सभी का उत्सवर्धन किया।

गोविंद सिंह डोटासरा, प्रदेशाध्यक्ष कांग्रेस
@GovindDotasra
अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने वाले, भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक एवं 'पद्म विभूषण' से सम्मानित महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। अंतरिक्ष विज्ञान में आपका अद्वितीय योगदान, दूरदर्शी सोच और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण भाव सदैव देशवासियों, विशेषकर युवाओं के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

लेखकों से आग्रह है...
वे 'सच बेधड़क' में प्रकाशन के लिए अपने लेख, कविता, कहानी, व्यंग्य आदि रचनाएं हमें Editor@sachbedhadakdaily.com पर ई मेल करें। साथ में रचना के अप्रकाशित होने का स्वघोषणा पत्र भी भेजें।

नॉलेज कॉर्नर: हमारा प्रदेश बनता जा रहा विश्व विरासत

बढ़ा रहा मान, सबसे अनूठा हमारा राजस्थान

राजस्थान का नाम सुनते ही कभी रेगिस्तान और ऊंटों की छवि आंखों के सामने आ जाती थी, लेकिन समय के साथ यह धारणा बदल गई है। आज राजस्थान केवल मरुस्थलीय भूभाग नहीं, बल्कि कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और प्राकृतिक विविधताओं का अद्वितीय संगम है, जो विश्वभर में अपनी पहचान बना रहा है। राजस्थान अपने अनूठे स्थापत्य, ऐतिहासिक किलों, लोक कलाओं, संगीत, नृत्य, खानपान और पारंपरिक वस्त्रों के लिए दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां की संस्कृति हजारों वर्षों पुरानी है और जीवनशैली, परंपराओं तथा धर्मों से गहराई से जुड़ी हुई है। प्राकृतिक विविधताओं की बात करें तो यहां पश्चिम में थार का मरुस्थल है तो पूर्व में अरावली की प्राचीन पहाड़ियां; दक्षिण में माही नदी का जल-वैभव है तो उत्तर में ऐतिहासिक किले और झीलों का सौंदर्य।

9 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

यूनेस्को द्वारा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण हेतु घोषित विश्व धरोहर स्थलों में राजस्थान के 9 स्थल शामिल हैं। चित्तौड़गढ़ किला (7वीं सदी), जैसलमेर किला (1156 ई.), जंतर-मंतर, जयपुर (18वीं सदी), गागरोन किला (8वीं सदी), रणथंभोर किला (944 ई.), कुंभलगढ़ किला (15वीं सदी), आमेर किला (15वीं सदी), केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी उद्यान (1982) और जयपुर हेरिटेज सिटी (1727) ये स्थल न केवल स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं, बल्कि राजस्थान की ऐतिहासिक गौरवगाथा भी बयां करते हैं।

चुनौतियां और जिम्मेदारी

राजस्थान की कला, संस्कृति और प्राकृतिक धरोहर का संरक्षण आसान नहीं है। इसमें मुख्य चुनौतियां ऐतिहासिक स्मारकों का रखरखाव, पारंपरिक कला-शिल्प में नई पीढ़ी की रुचि बनाए रखना, अतिक्रमण और प्रदूषण से विरासत की रक्षा और पर्यटन विकास के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखना। हमें मिलकर प्रयास करना होगा कि प्रकृति और इतिहास ने हमें जो धरोहर दी है, उसे उसी रूप में संरक्षित रखें और अधिक से अधिक उत्पादों व स्थलों को वैश्विक मान्यता दिलाएं।

जीआई टैग से बढ़ा मान

भौगोलिक संकेत (GI) टैग किसी उत्पाद को उसकी विशिष्ट भौगोलिक पहचान के आधार पर दी जाने वाली मान्यता है। राजस्थान के 16 उत्पादों को अब तक यह सम्मान मिला है, जिनमें हस्तशिल्प बगरू हैंड ब्लॉक प्रिंट, जयपुर ब्लू पॉटरी, राजस्थान की कठपुतली, कोटा डोरिया, मोलेला मिट्टी का काम, फुलकारी, पोकरण के मिट्टी के बर्तन, सांगानेरी हैंड ब्लॉक प्रिंट, थेवा आर्ट वर्क, खाद्य सामग्री में बीकानेरी भुजिया, प्राकृतिक उत्पाद में मकराना मार्बल, सोजत की मेहंदी, हाल ही में उदयपुर कोफ्तगारी धातु शिल्प, बीकानेर कशीदाकारी, जोधपुर बंधेज, और बीकानेर की उस्ता कला को भी GI टैग प्राप्त हुआ है। GI टैग मिलने से उत्पाद को कानूनी सुरक्षा व वैश्विक पहचान मिलती है, जिससे नकली उत्पादों पर रोक लगती है और स्थानीय कारीगरों को आर्थिक लाभ होता है।

दो भू-विरासत स्थल

2001 में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) ने राजस्थान के 10 भू-विरासत स्थलों की पहचान की। इनमें से 2016 में दो को आधिकारिक मान्यता मिली। ये स्थल हैं- रामगढ़ उल्कापिंड प्रभाव क्रेटर (बारां) और जावर (उदयपुर)। ये स्थल वैज्ञानिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

कंटेंट: प्रकाश चंद्र शर्मा

300 सबसे अमीर परिवारों की संपत्ति 140 लाख करोड़ रुपए, जीडीपी की 40 प्रतिशत

अंबानी परिवार सबसे अमीर कारोबारी घराना, अडाणी दूसरे स्थान पर

- एक अरब डॉलर की संपत्ति वाले परिवार 161

एजेंसी | मुंबई

उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाला अंबानी परिवार 28 लाख करोड़ रुपए की कुल संपत्ति के साथ देश का सबसे समृद्ध कारोबारी घराना है जबकि अडाणी परिवार 14.01 लाख करोड़ रुपए की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर है। शोध एवं रैंकिंग फर्म हुरुन और वर्कलेज की कारोबारी घरानों की संपत्ति में पिछले एक साल में आए बदलाव पर एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 300 सबसे मूल्यवान परिवारों की कुल संपत्ति 140 लाख करोड़ रुपए (1.6 लाख करोड़ डॉलर) से अधिक है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 40 प्रतिशत है। अकेले अंबानी परिवार की ही संपत्ति देश की जीडीपी के 12 प्रतिशत के बराबर है। पिछले एक साल में अंबानी परिवार की संपत्ति में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके साथ अंबानी परिवार ने देश में सबसे अधिक संपत्ति वाले परिवार के तौर पर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। रिपोर्ट में गौतम अडाणी की अगुवाई वाले अडाणी परिवार को 'पहली पीढ़ी के उद्यमी' के तौर पर शुरू सबसे मूल्यवान पारिवारिक कारोबार का मालिक बताया गया है।

अंबानी परिवार एक नजर में

- अंबानी परिवार की संपत्ति 28 लाख करोड़ रुपए
- संपत्ति जीडीपी की 12 प्रतिशत
- एक साल में संपत्ति बढ़ी 10 प्रतिशत

मुकेश अंबानी

मुंबई रईसों की नगरी, दिल्ली दूसरे स्थान पर

सर्वाधिक संपत्ति वाले कारोबारी घरानों में मुंबई से 91, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से 62 और कोलकाता से 25 परिवार इस सूची में शामिल हैं।

अडाणी परिवार

गौतम अडाणी

- कुल संपत्ति 14.01 लाख करोड़ रुपए
- 'पहली पीढ़ी के उद्यमी' के तौर पर सबसे मूल्यवान कारोबार का मालिक

बिड़ला फैमिली

मंगलम बिड़ला

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक साल में कुमार मंगलम बिड़ला परिवार की संपत्ति 20 प्रतिशत बढ़कर 6.47 लाख करोड़ रुपए हो गई। इसी के साथ यह परिवार कई पीढ़ियों वाले कारोबारी घराने की सूची में दूसरे पायदान पर पहुंच गया। इस ग्रुप का कारोबार सीमेंट, धातु, टेलीकॉम और वित्तीय सेवाओं जैसे कई सेक्टरों में फैला हुआ है।

सज्जन जिंदल

जिंदल, बजाज से आगे

जिंदल परिवार भी 21% उछाल के साथ 5.70 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ एक स्थान ऊपर चला गया। वहीं, बजाज परिवार संपत्ति में 21 प्रतिशत गिरावट के चलते चौथे स्थान पर खिसक गया। जिसकी कुल वैल्यूएशन अब 5.64 लाख करोड़ रुपए है।

यह भी खास

- 37 नए परिवार अरबपति सूची में शामिल हुए
- 25% से अधिक कारोबार शेयर बाजार में सूचीबद्ध नहीं
- 89% कारोबार भौतिक उत्पाद बेचते हैं, जबकि 11% सेवाएं प्रदान करते हैं
- मुंबई से 91, एनसीआर से 62 और कोलकाता से 25 परिवार सूची में शामिल
- 5 वर्षों में 130 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति अगली पीढ़ी को हस्तांतरित होगी

नई पीढ़ी का प्रोफेशनल मैनेजमेंट की ओर रुझान

पिछले साल 9 नए परिवार ऐसे जुड़े जिन्होंने अपने बिजनेस को चलाने के लिए बाहर से प्रोफेशनल CEO नियुक्त किए। इस तरह ऐसे परिवारों की संख्या 62 हो गई है। साथ ही, आने वाले पांच साल में 130 लाख करोड़ रुपए की दौलत एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ट्रांसफर होने का अनुमान है। रिकॉर्ड 71 परिवार अब अपने लिए डेडिकेटेड फैमिली ऑफिस चला रहे हैं, ताकि संपत्ति के प्रबंधन में प्रोफेशनलिज्म लाया जा सके।

300 परिवारों ने रोजाना कमाई 7,100 करोड़ रुपए की संपत्ति

रिपोर्ट के अनुसार, देश के 300 सबसे मूल्यवान परिवारों की कुल संपत्ति 140 लाख करोड़ रुपए (1.6 लाख करोड़ डॉलर) से अधिक है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 40 प्रतिशत है। इन 300 शीर्ष कारोबारी परिवारों ने पिछले साल रोजाना औसतन 7,100 करोड़ रुपए की संपत्ति बनाई। इस दौरान एक अरब डॉलर से अधिक संपत्ति वाले परिवारों की संख्या 37 बढ़कर 161 हो गई है।

शीर्ष परिवारों ने 5,100 करोड़ रुपए किए दान

शीर्ष परिवारों ने पिछले साल विभिन्न कारणों से 5,100 करोड़ रुपए की राशि दान में दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में शुल्क वृद्धि के चलते 120 से अधिक कारोबारी घरानों के अरबों डॉलर के निर्यात पर अगले 12 महीने में असर पड़ सकता है।

89% धनी परिवार प्रोडक्ट्स बेचने से जुड़े

रिपोर्ट बताती है कि इस लिस्ट में शामिल 89% परिवार ऐसे हैं जिनका बिजनेस फिजिकल प्रोडक्ट्स बेचने पर आधारित है, जबकि सिर्फ 11% परिवार सर्विस सेक्टर से जुड़े हैं। इसके अलावा, 25% से ज्यादा कारोबार ऐसे हैं जो स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड नहीं हैं।

प्राइवेट इक्विटी का बढ़ता दखल

हुरून इंडिया के चीफ रिसर्चर अनस रहमान जुनैद के मुताबिक, प्राइवेट इक्विटी ने भी कई बड़े फैमिली बिजनेस में हिस्सेदारी बढ़ाई है। इसका उदाहरण है टेमासेक का हल्दीराम में निवेश। तीन-चौथाई से ज्यादा परिवारों की दौलत में पिछले साल बढ़ोतरी हुई है।

अमेरिकी टैरिफ से 120 परिवारों के बिजनेस पर खतरा

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि अमेरिका में टैरिफ 50% तक पहुंचने से 120 परिवारों की कंपनियों के अरबों डॉलर के एक्सपोर्ट पर असर पड़ सकता है।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की योजना नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने मंगलवार को संसद को बताया कि केंद्र सरकार की गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए कोई कानून बनाने की योजना नहीं है। बघेल ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि केंद्र सरकार गायों के संवर्धन, संरक्षण और पालन-पोषण के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा की गई पहलों को समर्थन देने और उन्हें सुदृढ़ करने के लिए दिसंबर 2014 से राष्ट्रीय गोकुल मिशन संचालित कर रही है। दुग्ध उत्पादन के बारे में, बघेल ने सदन को सूचित किया कि 2024 में देश में कुल 23.93 करोड़ टन दूध उत्पादन में गाय के दूध का योगदान 53.12 प्रतिशत था, जबकि भैंस के दूध का योगदान 43.62 प्रतिशत था।

ADJ का मामला संविधान पीठ को भेजा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस मुद्दे को विचार के लिए पांच सदस्यीय संविधान पीठ को भेज दिया कि क्या कोई न्यायिक अधिकारी, जो नियुक्ति से पहले ही बार में सात वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुका है, रिक्त पद के मद्देनजर अतिरिक्त जिला न्यायाधीश बनने का हकदार है। शीर्ष अदालत ने यह प्रश्न संविधान पीठ को भेजा है कि क्या जिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए पात्रता पर केवल नियुक्ति के समय विचार किया जाना चाहिए या आवेदन के समय या दोनों पर। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन और न्यायाधीश एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि दोनों मुद्दों में संविधान के अनुच्छेद 233(2) की व्याख्या के संबंध में कानून का महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल है। संविधान का अनुच्छेद 233 जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित है।

मंत्रिमंडल का फैसला: सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में 4,594 करोड़ का होगा निवेश

ओडिशा, आंध्र प्रदेश व पंजाब में स्थापित होंगे चार संयंत्र

- सिलिकॉन कार्बाइड का मिसाइल, उपग्रह, रॉकेट में होगा इस्तेमाल

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में कुल 4,594 करोड़ रुपए के निवेश से चार सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की स्थापना को मंजूरी दी।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी संवाददाताओं को देते हुए कहा कि ये प्रस्ताव 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत स्वीकृत किए गए हैं। इस मिशन के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना में वित्तीय मदद देने के लिए 76,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में सिलिकॉन कार्बाइड सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इस पर सिकसेम प्राइवेट लिमिटेड 2,066 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस संयंत्र की वार्षिक क्षमता 9.6 करोड़ सेमीकंडक्टर चिपों के विनिर्माण की होगी। उन्होंने कहा कि सिलिकॉन कार्बाइड बेहद मजबूत सामग्री है और यह उच्च तापमान पर भी काम कर सकती है। इसका इस्तेमाल मिसाइल, उपग्रह, दूरसंचार टावर, रॉकेट और रेल इंजन में किया जाता है।

ओडिशा में ही एक 3डी ग्लास निर्माण संयंत्र भी स्थापित होगा जिस पर 1,943 करोड़ रुपए का निवेश होगा। हेटेरोजीनस इंटीग्रेशन पैकेजिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के इस संयंत्र में अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां इंटेल एवं लॉकहीड मार्टिन सहित अन्य का निवेश होगा। इसकी उत्पादन क्षमता पांच करोड़ यूनिट की होगी। मंत्रिमंडल ने आंध्र प्रदेश में चिप पैकेजिंग संयंत्र को मंजूरी दी है, जिसे एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड 468 करोड़ रुपए के निवेश से लगाएगी। इसकी वार्षिक क्षमता 9.6 करोड़ चिप के विनिर्माण की होगी। मंत्रिमंडल ने पंजाब में 117 करोड़ रुपए के निवेश वाली सेमीकंडक्टर परियोजना को भी मंजूरी दी है जिसकी स्थापना इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे बनाने वाली कंपनी सीडीआईएल करेगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव।

इलेक्ट्रोनिक्स विनिर्माण छह गुना बढ़ा

वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उठाए गए विभिन्न कदमों से पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र छह गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात आठ गुना बढ़कर 3.3 लाख करोड़ रुपए और मोबाइल उत्पादन 28 गुना बढ़कर 5.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

'सेमिकॉन इंडिया 2025' का आयोजन 2 से 4 सितंबर तक

वैष्णव ने बताया कि भारत दो से चार सितंबर तक 'सेमिकॉन इंडिया 2025' की मेजबानी करेगा जिसमें सिंगापुर, मलेशिया, जापान एवं कोरिया साझेदार देश होंगे।

लखनऊ मेट्रो के चरण-1बी की मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश में लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के चरण-1बी को मगंलवार को मंजूरी दे दी। इस परियोजना का कॉरिडोर 11.165 किलोमीटर लंबा होगा और इस पर 5801 करोड़ रुपए की लागत आएगी। चरण-1बी के चालू होने पर, लखनऊ शहर में कुल 34 किलोमीटर का मेट्रो रेल नेटवर्क संचालित होगा।

अरावली की पहाड़ियों को बचाना चाहते: SC

पहाड़ियों की समान परिभाषा पर रिपोर्ट दो माह में देने के निर्देश

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि उसकी रुचि अधिकारियों को फटकार लगाने में नहीं है, बल्कि वह अरावली की पहाड़ियों की रक्षा करना चाहता है। न्यायालय ने इसी के साथ पहाड़ियों की एक समान परिभाषा को लेकर रिपोर्ट जमा करने के लिए संबंधित समिति को दो महीने का समय और दे दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की पहाड़ियों और पर्वतमाला में अवैध खनन से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए पिछले वर्ष मई में विभिन्न राज्यों द्वारा अरावली की पहाड़ियों की अपनाई गई अलग-अलग परिभाषाओं को रेखांकित करते हुए इसे एक प्रमुख मुद्दा बताया था। इसके बाद न्यायालय ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात से गुजरने वाली अरावली की पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा देने के लिए एक समिति के गठन का निर्देश दिया था। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन और न्यायाधीश एन वी अंजारिया की पीठ के समक्ष मंगलवार को यह मामला सुनवाई के लिए आया। पीठ ने समिति को अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें दाखिल करने के लिए 15 अक्टूबर तक का समय दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह अरावली पहाड़ियों को और नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती। अगर अनियंत्रित खनन गतिविधियों की अनुमति दी गई, तो इससे क्षेत्र की पारिस्थितिकी को बड़ा खतरा होगा।

अलग अलग मानदंडों का हो रहा है पालन

पीठ ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की अलग-अलग परिभाषाओं के कारण, खनन गतिविधियों की अनुमति देते समय राज्यों द्वारा अलग-अलग मानदंडों का पालन किया जा रहा है। उसने कहा कि अरावली पहाड़ियों की परिभाषा के संबंध में नीतिगत निर्णय लिया जाना आवश्यक है। अंतिम अवसर के रूप में अधिक समय देने की इच्छा व्यक्त करते हुए पीठ ने कहा कि समिति के सदस्य न्यायालय की अवमानना के लिए उत्तरदायी हैं, क्योंकि 27 मई के आदेश में उन्हें दो महीने के भीतर अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था।

सीबीएससी विधि अध्ययन में शामिल होगा न्याय संहिता को लागू करना

कानूनी ढांचे के नए रूप का अध्ययन करेंगे छात्र

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) को लागू करना, तीन तलाक एवं राजद्रोह जैसे पुराने कानूनों का निरस्तीकरण तथा धारा 377 को खत्म करना केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के 2026-27 शैक्षणिक सत्र से विधि अध्ययन पाठ्यक्रम का हिस्सा होंगे।

सीबीएसई की पाठ्यक्रम समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और जून में शासी निकाय ने इसे अंगीकार करने का फैसला किया था। इस निर्णय के तहत उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र औपनिवेशिक काल के कानूनों की जगह लेने वाले नए कानूनों के साथ-साथ भारत के कानूनी ढांचे को नया रूप देने वाले ऐतिहासिक निर्णयों एवं सिद्धांतों का अध्ययन करेंगे।

प्रस्ताव के विवरण में बताया गया कि 11-12वीं कक्षा के लिए विधि अध्ययन की पाठ्यपुस्तकें पांच साल पहले उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में बुनियादी कानूनी साक्षरता विकसित करने के लिए शुरू की गई थीं। प्रस्ताव के मुताबिक, तब से भारत के कानूनी ढांचे में बड़े सुधार हुए हैं, जिनमें औपनिवेशिक काल के प्रमुख प्रावधानों को निरस्त करना और 2023-24 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) को लागू करना शामिल है। इन नए कानूनों ने क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

विशेषज्ञ समिति का होगा गठन

सीबीएसई अधिकारियों के अनुसार, अगले शैक्षणिक सत्र के लिए अद्यतन पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाएगा और इसमें विषय-वस्तु विकास एजेंसी को भी शामिल किया जा सकता है। पाठ्यपुस्तकें नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप आधुनिक और आकर्षक शिक्षण पद्धति के अनुसार तैयार की जाएंगी। यह एक विशिष्ट वैकल्पिक विषय से विकसित होकर कानून, लोक नीति या शासन में कॅरिअर बनाने वाले विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है।

देश की कर प्रणाली होगी सरल

आयकर और कराधान संशोधन विधेयक मंजूर

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद ने मंगलवार को देश में कराधान क्षेत्र से जुड़े दो महत्वपूर्ण विधेयकों आयकर विधेयक, 2025 और कराधान विधि (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी। वहीं सरकार ने कहा कि इससे देश में कराधान संबंधित नियमों को सरल बनाने में काफी मदद मिलेगी। राज्यसभा ने इन दोनों विधेयकों पर हुई संयुक्त चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद इन विधेयकों को ध्वनिमत से लोकसभा को लौटा दिया। लोकसभा इन्हें पहले ही पारित कर चुकी है। उच्च सदन में इन दोनों विधेयकों के पारित होने के समय कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्य मौजूद नहीं थे। विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग पर सदन से वॉकआउट किया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इन दोनों विधेयकों के प्रावधान से देश में कराधान प्रणाली को सरल बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर निराशा जताई कि दोनों विधेयकों पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि आयकर विधेयक को सरकार दोबारा लेकर आई और इसमें प्रवर समिति के लगभग सारे सुझावों को शामिल कर लिया गया है।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लेकर बहस छिड़ी... नेता-अभिनेता भी आए आगे

CJI को पत्र लिखे... शीर्ष अदालत के निर्देश की समीक्षा का अनुरोध

एजेंसी | नई दिल्ली

आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द सड़कों से हटाकर स्थायी रूप से आश्रय स्थलों में भेजने का सुप्रीम कोर्ट द्वारा अधिकारियों को निर्देश देने को लेकर खासकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है। इसमें एक पक्ष उच्चतम न्यायालय के सोमवार के निर्देश का समर्थन कर रहा है और आवारा कुत्तों से निवासियों को होने वाली असुविधा व रेबीज के खतरे का हवाला दे रहा है, जबकि दूसरा पक्ष इसे अव्यावहारिक और अमानवीय बता रहा है। अभिनेता जॉन अब्राहम तथा तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई को अलग -अलग पत्र लिखकर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) क्षेत्र से आवारा कुत्तों को हटाने के उच्चतम न्यायालय के निर्देश की समीक्षा करने और उसमें संशोधन का आग्रह किया। इसके अलावा भी कई राजनेताओं ने भी इस तरह का आग्रह किया है।

अभिनेता जॉन अब्राहम ने पत्र में कहा, मुझे उम्मीद है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि ये 'आवारा' नहीं, बल्कि समुदाय का हिस्सा हैं, जिनसे कई लोग विशेष लगाव रखते हैं और प्रेम करते हैं, खासकर दिल्ली के लोग। उन्होंने कहा कि यह निर्देश पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम, 2023 और इस मुद्दे पर शीर्ष अदालत के पिछले फैसलों के खिलाफ है,

नई दिल्ली। आवारा कुत्तों को नहीं हटाए जाने की मांग को लेकर कनॉट प्लेस में तख्तियों के साथ प्रदर्शन करते लोग।

जॉन अब्राहम

जिनमें हमेशा व्यवस्थित नसबंदी कार्यक्रम का समर्थन किया गया है। जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, एबीसी नियम कुत्तों को हटाने की अनुमति नहीं देते, बल्कि उनकी नसबंदी एवं टीकाकरण करने और उनके पूर्ववत स्थान पर वापस छोड़ने का प्रावधान करते हैं। जहां एबीसी कार्यक्रम को ईमानदारी से लागू किया गया, वहां यह कारगर साबित हुआ। अभिनेता के अनुसार, सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

तेलुगु अभिनेता अदिवी शेष ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर उनसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवारा कुत्तों को बड़े पैमाने पर पकड़ने को लेकर दिए गए निर्देश पर पुनर्विचार करने की अपील की है। 'मेजर' फिल्म के अभिनेता शेष पशु प्रेमी हैं।

टीएमसी के सांसद साकेत गोखले ने सीजेआई गवई को पत्र लिखकर दिल्ली में आवारा कुत्तों को सड़क से हटाने के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों पर रोक लगाने की अपील की।

राज्यसभा सदस्य गोखले ने प्रधान न्यायाधीश को लिखे एक पत्र में दलील दी कि उच्चतम न्यायालय का निर्देश पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 का उल्लंघन करता है। उच्चतम न्यायालय को इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मुद्दे का समग्र और मानवीय समाधान सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों व अन्य हितधारकों की एक समिति गठित करने पर विचार करना चाहिए।

इंडिया गेट पर प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ FIR दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को आठ सप्ताह के भीतर आश्रय गृहों में स्थानांतरित करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के खिलाफ इंडिया गेट पर प्रदर्शन करने वाले कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार शाम किए गए प्रदर्शन में कई पशु प्रेमियों, पशुपालकों, बचावकर्ताओं और देखभालकर्ताओं ने भाग लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "बीएनएस की धारा 223 (किसी लोक सेवक द्वारा विधिवत प्रख्यापित आदेश की अवज्ञा का अपराध) तथा संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

निर्देश मानवीय और विज्ञान-समर्थित नीति से एक कदम पीछे: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट का निर्देश दशकों पुरानी मानवीय और विज्ञान-समर्थित नीति से एक कदम पीछे है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश क्रूर, अदूरदर्शी है और इसमें करुणा का अभाव है। विपक्ष के नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ये बेजुबान जीव कोई समस्या नहीं हैं जिन्हें मिटाना पड़े। उन्होंने कहा, आश्रय स्थल, बधियाकरण, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल बिना किसी क्रूरता के सड़कों को सुरक्षित रख सकते हैं। लेकिन उन्हें पूरी तरह से हटाना क्रूर, अदूरदर्शी है और जिसमें करुणा का अभाव है। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण साथ-साथ हों।

कुत्ते सबसे सुंदर, सौम्य प्राणी, वे क्रूर बर्ताव के हकदार नहीं: प्रियंका

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि शहर के सभी आवारा कुत्तों को कुछ ही हफ्तों में आश्रय स्थलों में भेजने का कदम उनके साथ बेहद अमानवीय व्यवहार होगा। प्रियंका गांधी ने कहा कि कुत्ते सबसे सुंदर और सौम्य प्राणी हैं तथा वे इस तरह क्रूर बर्ताव के हकदार नहीं हैं। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि शहर के सभी आवारा कुत्तों को कुछ ही हफ्तों में आश्रय स्थलों पर भेजना उनके साथ बेहद अमानवीय व्यवहार होगा। उन्हें रखने के लिए पर्याप्त आश्रय स्थल भी मौजूद नहीं हैं। उन्होंने कहा कि शहरी परिवेश में पशुओं के साथ दुर्व्यवहार और क्रूरता की जाती है। उन्होंने कहा कि स्थिति को संभालने का निश्चित रूप से एक बेहतर तरीका है।

मालवाहक विमान के इंजन में आग, सुरक्षित उतरा

चेन्नई। चेन्नई में मंगलवार को आ रही एक अंतरराष्ट्रीय मालवाहक उड़ान के एक इंजन में आग लग गई। विमान के यहां उतरने के बाद ही आग पर काबू पा लिया गया और इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यह उड़ान मलेशियाई शहर कुआलालम्पुर से आ रही थी। विमान के उतरने के दौरान मालवाहक उड़ान के चौथे इंजन में आग लग गई, जिसके बाद पायलट ने संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। उन्होंने बताया कि विमान को आपात स्थिति में नहीं उतारा गया था और पायलट ने विमान को सुरक्षित उतार लिया।

भारत-चीन के बीच उड़ान सेवा जल्द होगी शुरू

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच प्रत्यक्ष उड़ान सेवाएं जल्द फिर से शुरू करने को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत अग्रिम चरण में है। मामले से जुड़े लोगों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस महीने के अंत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के तिआनजिन शहर जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड आयोजित

अनुसंधान में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा भारत: मोदी

एजेंसी | मुंबई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत अनुसंधान में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में परंपरा और नवाचार का मेल है। भारत वैज्ञानिक जिज्ञासा को पोषित करने और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी मुंबई में खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 18वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। यह ओलंपियाड माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी में एक वार्षिक प्रतियोगिता है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत के पास दुनिया की सबसे ऊंची खगोलीय वेधशालाओं में से एक लद्दाख में स्थित है। तारों पर अध्ययन करने के लिए यह वेधशाला समुद्र तल से 4,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल टिंकरिंग लैब्स में एक करोड़ से अधिक छात्र व्यावहारिक प्रयोगों के माध्यम से एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) अवधारणाओं को समझ रहे हैं। इससे सीखने और नवाचार की संस्कृति का निर्माण हो रहा है। ज्ञान तक पहुंच को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए, हमने 'वन नेशन वन सब्स्क्रिप्शन' योजना शुरू की है। यह लाखों छात्रों और शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं तक निःशुल्क पहुंच प्रदान करती है।

हम महिलाओं की भागीदारी में आगे

पीएम मोदी ने कहा कि भारत एसटीईएम क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी के मामले में एक अग्रणी देश है। विभिन्न पहलों के तहत, अनुसंधान में अरबों डॉलर का निवेश किया जा रहा है। हमने दुनिया भर से आप जैसे युवा प्रतिभाओं को भारत में अध्ययन, अनुसंधान और सहयोग के लिए आमंत्रित किया। कौन जानता है, हो सकता है कि अगली बड़ी वैज्ञानिक खोज ऐसी साझेदारियों से ही जन्म ले।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को मुंबई में आयोजित खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 18वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए।

कैप्टन शुभांशु शुक्ला को सराहा

मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की भी सराहना की, जो हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के 18 दिवसीय सफल मिशन से लौटे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का अपना ऐतिहासिक मिशन पूरा किया। यह सभी भारतीयों के लिए गर्व का क्षण था और आप जैसे युवा खोजकर्ताओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय सहयोग की ताकत में विश्वास करता है। यह ओलंपियाड इसी भावना को दर्शाता है। मुझे बताया गया है कि यह ओलंपियाड अब तक का सबसे बड़ा है। पीएम मोदी ने कहा, ऊंचा लक्ष्य रखें, बड़े सपने देखें और याद रखें कि भारत में हम मानते हैं कि आकाश सीमा नहीं है, बल्कि केवल शुरुआत है।

पीएम मोदी का असम दौरा 8 सितंबर को

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राज्य की आगामी यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' एक पोस्ट में कहा कि सरमा ने प्रधानमंत्री के गोलाघाट दौरे के मद्देनजर डेरगांव स्थित असम पुलिस कन्वेंशन सेंटर में तैयारियों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री नुमालीगढ़ रिफाइनरी जैव-उपचार संयंत्र का उद्घाटन करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी उसी दिन शाम को गुवाहाटी में एक कार्यक्रम में भारत रत्न भूपेन हजारिका के जन्म शताब्दी समारोह का भी उद्घाटन करेंगे। सीएमओ के मुताबिक समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री अतुल बोरा, वित्त मंत्री अजंता नियोग, परिवहन मंत्री जोगेन मोहन, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत और श्रम कल्याण मंत्री रूपेश गोवाला शामिल हुए।

अमेरिकी टैरिफ पर बोली सरकार

फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र पर अभी कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को संसद में कहा कि फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में अमेरिका को भारत से किए जाने वाले निर्यात पर अब तक कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाया गया है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले कुछ वस्तुओं पर 25 प्रतिशत की दर से पारस्परिक टैरिफ (शुल्क) लगाया गया है, जो सात अगस्त से प्रभावी है। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के तहत अमेरिका को भारत से निर्यात किए जाने वाले कुल माल का लगभग 55 प्रतिशत इस पारस्परिक टैरिफ के अधीन है। उन्होंने बताया कि भारत से निर्यात किए जाने वाले कुछ माल पर 27 अगस्त से 25 प्रतिशत का अतिरिक्त मूल्यानुसार शुल्क लगाया गया है।

जितिन प्रसाद

निर्यातकों व उद्योगों के साथ बातचीत जारी

प्रसाद ने सदन को यह भी जानकारी दी कि सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए पारस्परिक शुल्कों के प्रभाव के आकलन पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए निर्यातकों और उद्योग सहित सभी हितधारकों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों, निर्यातकों, एमएसएमई और उद्योग के सभी वर्गों के कल्याण की रक्षा और संवर्धन को सर्वोच्च महत्व देती है।

वार्ता के लिए 24 को आएगी अमेरिकी टीम

प्रसाद ने बताया कि भारत, अमेरिका के साथ भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चर्चा में शामिल है, जिसका उद्देश्य टैरिफ स्थिरता और दीर्घकालिक व्यापार पूर्वानुमान के माध्यम से व्यापार और निवेश का विस्तार करना है। छठे दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी टीम 24 अगस्त को भारत आने वाली है।

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण मामले में सुनवाई, वोटर लिस्ट पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नाम जोड़ना व हटाना आयोग का अधिकार

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े विवाद को मोटे तौर पर विश्वास की कमी का मुद्दा बताया और कहा कि मतदाता सूची में नागरिकों एवं गैर-नागरिकों को शामिल करना या बाहर करना निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में है।

न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राजद और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई की। पीठ ने याचिकाकर्ताओं से तीखे सवाल पूछे और कहा कि किसी जीवित व्यक्ति को मृत या मृत व्यक्ति को जीवित घोषित करने में, अनजाने में हुई किसी भी त्रुटि को सुधारा जा सकता है।

पीठ ने याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि नागरिकता देने या छीनने का कानून संसद द्वारा पारित किया जाता है, लेकिन नागरिकों और गैर-नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना और बाहर करना निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में है।

शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग के इस निर्णय से सहमति जताई कि आधार और मतदाता पहचान पत्र को नागरिकता के निर्णायक प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा और कहा कि इसके समर्थन में अन्य दस्तावेज भी होने चाहिए।

आधार नागरिकता का निर्णायक सबूत नहीं

पीठ ने सिंघवी से कहा कि निर्वाचन आयोग का यह कहना सही है कि आधार को नागरिकता के निर्णायक सबूत के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता, इसे सत्यापित करना होगा। आधार अधिनियम की धारा नौ में स्पष्ट रूप से ऐसा कहा गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि 2003 (बिहार में अंतिम गहन पुनरीक्षण का वर्ष) और 2025 के बीच 22 वर्ष की अवधि में कई लोगों ने पांच से छह चुनावों में मतदान किया था, लेकिन चुनाव से दो महीने पहले अचानक यह कहा जाने लगा कि इन लोगों के नाम सूची में नहीं होंगे। पीठ ने कहा कि यदि कुछ भी संदिग्ध पाया गया तो वह 2025 की सूची में शामिल सभी लोगों

को मतदाता सूची में शामिल करने का निर्देश दे सकती है। सिंघवी ने इस बात पर सहमति जताई कि निर्वाचन आयोग के पास मतदाता सूची में नागरिकों या गैर-नागरिकों को शामिल करने या बाहर करने का अधिकार है, लेकिन उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग नागरिकता का निर्धारण नहीं कर सकता।

उत्तर प्रदेश: डीपीसी में हुआ अहम फैसला

1994 बैच के IPS अफसर बनेंगे DG

डॉ.एहतेशाम सिद्दीकी | लखनऊ

IAS एसपी गोयल मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई DPC में यह फैसला हुआ है कि पुलिस के महानिदेशक (DG) के पदों पर रिक्तियों के सापेक्ष 1994 बैच के अफसर इस पद पर प्रमोट होते जाएंगे।

लोकभवन में हुई DPC में डीजीपी राजीव कृष्ण और प्रमुख सचिव (होम) संजय प्रसाद मौजूद थे। जिसमें पहला नम्बर IPS बीके सिंह ADG क्राइम का है। डीजी आनन्द स्वरूप के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के बाद आईपीएस बीके सिंह को डीजी बनाया गया है।

डीजी ट्रेंनिग IPS तिलोत्तमा वर्मा और डीजी सिविल डिफेंस आईपीएस अभय कुमार प्रसाद

सुजीत पांडेय

ध्रुवकांत ठाकुर

बिनोद के सिंह

जल्द ही सेवानिवृत्त हो जाएंगे। जिसके बाद अगला नाम कानपुर पुलिस कमिश्नर आईपीएस अखिल कुमार का है, लेकिन वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं। उसके बाद आईपीएस राजा श्रीवास्तव का नाम है लेकिन वह पहले से केंद्र में तैनात हैं। इसलिए यूपी एसटीएफ के ADG आईपीएस डीके ठाकुर और लखनऊ ADG आईपीएस सुजीत पांडेय DG पर प्रमोट होंगे। वर्तमान में IPS विनोद कुमार सिंह ADG क्राइम्र ,IPS अखिल कुमार ADG पुलिस कमिश्नर कानपुर, IPS राजा श्रीवास्तव ADG CRPF, IPS ध्रुव ठाकुर ADG STF, IPS सुजीत पांडेय ADG लखनऊ व IPS प्रकाश डी ADG रेलवे UP हैं।

फर्स्ट इंडिया न्यूज कार्यालय में ब्रह्माकुमारी बहनों ने राखी बांधी

राखी केवल धागा नहीं, आपसी सम्मान का प्रतीक

बेधड़क | जयपुर

फर्स्ट इंडिया न्यूज कार्यालय में मंगलवार को रक्षा बंधन का पर्व सादगी और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनें श्रुति दीदी और ज्योति दीदी ने फर्स्ट इंडिया न्यूज के सीईओ और मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा को राखी बांधी और तिलक कर शुभकामनाएं दीं। इसके बाद चैनल के अन्य टीम सदस्यों को भी राखी बांधी और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारी बहनों ने कहा कि सच्ची रक्षा तभी संभव है जब व्यक्ति अपने भीतर की बुराइयों और कमजोरियों को त्याग दे। उन्होंने बताया कि राखी केवल धागा नहीं, बल्कि पवित्रता, सद्गुण और आपसी सम्मान का प्रतीक है। बहनों ने आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में आत्म-नियंत्रण और विशेषकर क्रोध पर काबू रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्रुति दीदी और ज्योति दीदी के साथ निखिल राज, रूमाकर, यश माथुर, प्रहलाद, करीना शर्मा, हनुमान शर्मा, संदीप, योगानंद, जितेश, साहिल और जितेंद्र।

पवन अरोड़ा की कलाई पर राखी बांधतीं बीके ज्योति दीदी। साथ में हैं श्रुति दीदी।

City इवेंट्स

नटखट कान्हा' के पोस्टर का विमोचन

बेधड़क, जयपुर। भारत24-विजन ऑफ न्यू इंडिया के सीईओ डॉ. जगदीश चंद्र ने मदर-किड रैम्प वॉक शो 'नटखट कान्हा 2025' का पोस्टर विमोचन किया। इस अवसर पर पवन गोयल, जेडी महेश्वरी और राघव गोयल भी उपस्थित रहे। 17 अगस्त को होटल प्राइम में आयोजित होने वाले इस शो में यशोदा, कान्हा और राधा के दिव्य स्वरूपों की मनमोहक झलक देखने को मिलेगी और बच्चे आकर्षक अंदाज में रैम्प वॉक करते नजर आएंगे।

एवरेस्ट फतह करने वाली गीता का सम्मान

बेधड़क, जयपुर। सीकर जिले के ग्राम चक की बेटी और सीआईएसएफ की सब-इंस्पेक्टर गीता सामोता को माउंट एवरेस्ट फतह करने पर सम्मानित किया गया। ग्राम कुली में आयोजित समारोह में राजस्थान सरकार के पूर्व उपशासन सचिव एवं इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन (आईएनओ) के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. पी. डी. पारीक ने उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. पारीक ने कहा कि गीता ने न केवल गांव का, बल्कि पूरे राजस्थान और भारत का नाम रोशन किया है। वे माउंट एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगे के साथ सीआईएसएफ का झंडा लहराने वाली पहली महिला अधिकारी बनी हैं। गीता ने कहा कि कठिनाइयां जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन मन में कुछ कर गुजरने की सच्ची लगन हो तो रास्ते अपने आप बन जाते हैं। कोई भी ख्वाब असंभव नहीं होता, बस बड़े ख्वाब देखिए और उन्हें पाने के लिए मेहनत कीजिए।

स्वच्छता के प्रति गर्ल्स को किया जागरूक

बेधड़क, जयपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस पर धरा शक्ति फाउंडेशन (डीएसएफ) ने नाना बाई जयपुरिया स्कूल में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित की। इसमें 175 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जानकारी दी गई और निशुल्क रीयूजेबल सैनिटरी पैड वितरित किए गए। फाउंडेशन की संस्थापक देविका शेखावत ने कहा कि युवा पीढ़ी को मासिक धर्म स्वच्छता का ज्ञान देकर पीढ़ियों से चली आ रही चुप्पी और सामाजिक भ्रांतियों को तोड़ा जा सकता है।

म्यूजिक, डांस और जूलरी के साथ लेडीज ने अनूठे अंदाज में मनाई तीज और चौथ

फेस्टिव सेलिब्रेशन में पारंपरिक सौंदर्य और सांस्कृतिक मेल-जोल की झलक

बेधड़क | जयपुर

लेडीज ने तीज और चौथ का उत्सव अनूठे अंदाज में मनाया। महिलाओं ने म्यूजिक, डांस और मीरासा ज्वैल्स के रॉयल जयपुरी परंपरागत आभूषणों के साथ रंगारंग आयोजन कर खुशियां बांटी। पारंपरिक त्योहारों की रौनक को और खास बनाते हुए एफबीएस जयपुर की मेंबर्स बापू नगर स्थित मीरासा ज्वैल्स में एकत्रित हुईं, जहां तीज और चौथ उत्सव का आयोजन हुआ। ऋषि जैन व शोभा जैन ने बताया कि इस मौके पर सजीव संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सोने व चांदी की जूलरी की नई क्लासिक कलेक्शन की लॉन्चिंग हुई। शहर की महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर शामिल हुईं और लोक संगीत की धुनों पर थिरकती नजर आईं। क्लासिक सिल्वर ब्राइडल ज्वैलरी कलेक्शन में पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों का संगम देखने को मिला।

शिविका बाहेती ने बताया कि कार्यक्रम की खास बात यह रही कि गेस्ट्स ने नए कलेक्शन को पहनकर 'महारानी सा' फोटोशूट कराया। मेघा गुप्ता ने कहा कि आयोजन संस्कृति की परंपराओं को सम्मान देने का प्रयास रहा। रंगारंग शाम ने न केवल महिलाओं को त्योहारों के प्रति उत्साहित किया, बल्कि सांस्कृतिक मेल-जोल और पारंपरिक सौंदर्य का जीवंत अनुभव दिया। वैशाली मोदी, मुनमुन पोद्दार, तरंग अग्रवाल, प्राची खंडेलवाल, प्रतिष्ठा पाबूवाल सहित अन्य महिलाएं इस मौके पर मौजूद रहीं।

मेघा गुप्ता, शिविका बाहेती, मार्सेला बाउर, माधुरी लाखोटिया, शोभा जैन, पूर्वा जैन और वर्षा जैन।

वर्चस्व जैन, शोभा जैन और ऋषि जैन।

अनिशा अग्रवाल, वैशाली मोदी, मेघा गुप्ता, शोभा जैन, मुनमुन पोद्दार और प्राची खंडेलवाल।

फ्लो बाजार में मिलेगा शिल्पकला, हैंडलूम, हस्तशिल्प, फैशन और संस्कृति को बढ़ावा

बेधड़क | जयपुर

फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन (फ्लो) जयपुर बुधवार को जयपुर क्लब में 'फ्लो बाजार' लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का आयोजन करेगा। सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलने वाले इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं द्वारा संचालित शिल्पकला, हैंडलूम, हस्तशिल्प, फैशन और संस्कृति को बढ़ावा देना है। फ्लो की डॉ. रिम्मी शेखावत ने बताया कि प्रदर्शनी में लगभग 60 स्टॉल लगेंगे, जिनमें विभिन्न उत्पाद प्रदर्शित होंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार के सहयोग से आर्मी वीमेन वेलफेयर एसोसिएशन, राजीविका राजस्थान और बुनकर सेवा केंद्र के लिए भी यह मंच उपलब्ध कराया गया है। फ्लो पदाधिकारियों ने जयपुरवासियों से प्रदर्शनी में भाग लेकर स्थानीय हस्तशिल्प और शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने की अपील की।

खेल समाचार | वेस्ट जोन स्केटिंग प्रतियोगिता 2026 की 500 मीटर क्वाड रेस

स्केटिंग आर्ट और स्पीड के प्रदर्शन से प्लेयर्स ने जीता दर्शकों का दिल

बेधड़क | जयपुर

एसआरएन इंटरनेशनल स्कूल जयपुर में चल रही सीबीएसई वेस्ट जोन स्केटिंग प्रतियोगिता में मंगलवार को विभिन्न आयु वर्गों की 500 मीटर क्वाड रेस का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने बेहतरीन गति और संतुलन का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने अपनी स्केटिंग कला और गति से दर्शकों का दिल जीत लिया। अंडर 9 श्रेणी में लड़कियों की 500 मीटर क्वाड रेस में दिव्यांशी बिश्नोई, टैगोर इंटरनेशनल स्कूल जयपुर ने पहला

स्थान और देमाइरा खंडेलवाल, डीपीएस उदयपुर ने दूसरा स्थान हासिल किया। लड़कों में पारस, एसआरएन इंटरनेशनल स्कूल जयपुर ने स्वर्ण पदक और जियांश पटेल, हिल्स हाई स्कूल सूरत ने रजत पदक जीता। अंडर 11 श्रेणी में लड़कियों में भष्या विश्नोई, टैगोर इंटरनेशनल स्कूल जयपुर ने पहला और रुहिना मलिक, सुबोध पब्लिक स्कूल जयपुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कों में सागर रावल, सेंट्रल एकेडमी जयपुर ने स्वर्ण और लक्षित, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल ग्वालियर ने रजत पदक जीता।

अंडर 14 श्रेणी में लड़कियों में थानसिया, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल ग्वालियर ने पहला और काश्वी मोसालपुरिया, एसएनएलडी हर्ष कॉन्वेंट स्कूल सरदारगढ़ ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कों में ओजस सोनी, जीवीएन द ग्लोबल स्कूल भोपाल ने स्वर्ण और निकुंज खंडेलवाल, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जयपुर ने रजत पदक जीता। अंडर 17 श्रेणी में लड़कियों में समीधा दलावी, रॉकफोर्ड हाई स्कूल ने स्वर्ण और यश्वी आशार, टीएनराव स्कूल ने रजत पदक जीता। लड़कों में अंजनेय कश्यप, सागा पब्लिक स्कूल ने पहला और अरहम खान, एसजे पब्लिक स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।अंडर 19 श्रेणी में लड़कियों में तितिक्षा भारद्वाज, डीपीएस उदयपुर ने स्वर्ण और जयश्री खंडेलवाल, एमपीएस जवाहर नगर ने रजत पदक जीता। लड़कों में शुभम गुप्ता, सेंट मैरी स्कूल ने पहला और उज्जवल यादव, कैम्ब्रिज स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

600 मीटर इनलाइन रेस में ये रहे विजेता

अंडर 9 श्रेणी में लड़कियों की 600 मीटर इनलाइन रेस में रुहि चुरानी, बेनियनट्री जयपुर ने पहला स्थान और काव्यांशी, दशपुर स्कूल मनसौर ने दूसरा स्थान हासिल किया। लड़कों में रुद्रांश गर्ग, विद्या आश्रम स्कूल जयपुर ने स्वर्ण पदक और शिवाय दोबवाल, एसआरएन इंटरनेशनल स्कूल जयपुर ने रजत पदक जीता। अंडर 11 श्रेणी में लड़कियों में मायरा त्यागी, रेयान इंटरनेशनल स्कूल उदयपुर ने पहला और सानवी चौधरी, जयपुरिया विद्यालय जयपुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कों में मोहम्मद राहिल, एसवी पब्लिक स्कूल जयपुर ने स्वर्ण और अयांश ठकुरिया, जयश्री पेरिवाल हाई स्कूल जयपुर ने रजत पदक जीता। अंडर 14 श्रेणी में लड़कियों में काव्या राठौड़, सेंट पॉल स्कूल उदयपुर ने पहला और आरुषि यान्दे, क्राइस्ट चर्च स्कूल जबलपुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कों में तन्मय पाटीदार, साईश्री इंटरनेशनल स्कूल रतलाम ने स्वर्ण और विवान डांडिया, सेंट पॉल स्कूल जोधपुर ने रजत पदक जीता। अंडर 17 श्रेणी में लड़कियों में वान्या बोष्ठरा, निरजा मोदी स्कूल ने स्वर्ण और आरणा शर्मा, जयश्री पेरिवाल हाई स्कूल जयपुर ने रजत पदक जीता। लड़कों में युवराज महरिया, शेखावटी इंटरनेशनल एकेडमी ने पहला और शिवांश शर्मा, सुबोध पब्लिक स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 19 श्रेणी में लड़कियों में दृष्टि शर्मा, सेंट थॉमस स्कूल ने स्वर्ण और भाविका बंसल, सेंट एंजेला सोफिया ने रजत पदक जीता। लड़कों में आदित्य धाकड़, एपीएस भोपाल ने पहला और ब्येय जय पंचाल, रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

FIRST INDIA

सच बेधड़क

जयपुर, बुधवार, 13 अगस्त, 2025

"सपने तब साकार होते हैं जब वे एकजुटता से बुने जाते हैं।"
डॉ. जगदीश चंद्र, सीएमडी एंड एडिटर इन चीफ

विधानसभा का मानसून सत्र होगा हंगामेदार

प्रवर समिति को सौंपे विधेयकों के साथ 7 नए बिल लाने की तैयारी

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा का मानसून सत्र छोटा और हंगामेदार रहने की संभावना है। सरकार इस सत्र में प्रवर समिति को भेजे गए तीन विधेयकों के अलावा सात और नए बिल पास करवाने की तैयारी में है। तीनों विधेयक बजट सत्र में प्रवर समिति के पास भेजे गए थे। इधर, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य सरकार के सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव को निर्देश दिए हैं कि सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के तृतीय सत्र में विधायकों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के जवाब आगामी सत्र के आरंभ होने से पहले 27 अगस्त तक, राजस्थान विधानसभा को आवश्यक रूप से भेज दिए जाएं। देवनानी ने बताया कि सोलहवीं विधानसभा के तृतीय सत्र में विधायकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों में से लगभग 75% के जवाब विधानसभा को प्राप्त हो गए हैं। उन्होंने बताया कि कुल 9700 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनमें से 7300 प्रश्नों के उत्तर मिल गए हैं, जबकि 2400 प्रश्नों के जवाब विभिन्न विभागों से आने शेष हैं।

■ 27 अगस्त तक सभी लंबित प्रश्नों के जवाब आवश्यक रूप से भेजें: देवनानी

■ तृतीय सत्र के 75 प्रतिशत प्रश्नों के उत्तर विधानसभा को प्राप्त

पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए जवाब जरूरी

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए विधानसभा में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आना आवश्यक है। आमजन के मुद्दों के समाधान और विधायकों को अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए समय पर जानकारी मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रश्नों के उत्तर की समयबद्धता से सदन की कार्यक्षमता बढ़ती है और लोकतांत्रिक व्यवस्था और सशक्त होती है।

अमित शाह और जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई रणनीतिक चर्चा

सत्ता-संगठन में तालमेल के लिए भाजपा में मंथन

बीजेपी की अहम वर्चुअल बैठक से जुड़े मुख्यमंत्री भजनलाल

बेधड़क | जयपुर

भाजपा ने केंद्र और भाजपा शासित राज्यों में सत्ता और संगठन के तालमेल को मजबूत करने के लिए मंगलवार को एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री, कई कैबिनेट मंत्री, संगठन से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी और भाजपा शासित अन्य राज्यों के प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से जुड़े। बैठक का मुख्य उद्देश्य केंद्र की योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से घर-घर पहुंचाना, डबल इंजन की सरकार के फैसलों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना और सत्ता तथा संगठन के बीच समन्वय को और मजबूत बनाना बताया गया। इस दौरान सरकार के कार्यों और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा भी की गई

जेजेएम योजना से सीधे नलों से पानी मिलेगा

वहीं, इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल ने पीएचईडी की वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं की समीक्षा को लेकर बैठक की। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि आमजन को निर्बाध और नियमित जलापूर्ति राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पेयजल परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्य सरकार वृहद जल परियोजनाओं को पूरी तरह लागू कर रही है, जिससे प्रदेशभर में पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उन्होंने लंबित परियोजनाओं के निविदा कार्य में तेजी लाने और कार्यादेश शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को फील्ड में जाकर परियोजनाओं का निरीक्षण करने, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और समय सीमा में कार्य पूरा न होने पर जुर्माना लगाने को भी कहा। साथ ही, लंबी अवधि की परियोजनाओं वाले क्षेत्रों में वैकल्पिक जल व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना से प्रदेश को काफी लाभ मिलेगा और उपभोक्ताओं को सीधे नलों से पानी मिलेगा। उन्होंने अवैध कनेक्शन वालों पर सख्त कार्रवाई का आदेश दिया और मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के क्रियान्वयन के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। सीएम ने पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क कटिंग और पुनर्निर्माण के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण और स्वायत्त शासन विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। साथ ही, सड़कों की गुणवत्ता जांच के लिए तृतीय पक्ष द्वारा आकलन कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, मुख्य सचिव सुधांश पंत और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राइजिंग राजस्थान में हुए एमओयू की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान एमओयू समीक्षा बैठक की। भजनलाल ने कहा कि राजस्थान अपनी भौगोलिक स्थिति, खनिज संसाधन, ऊर्जा क्षमता और निवेश अनुकूल नीतियों की वजह से अब वैश्विक स्तर पर बिजनेस-फ्रेंडली स्टेट के रूप में उभर रहा है। पिछले साल हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में राज्य में 35 लाख करोड़ रुपए के निवेश समझौते (एमओयू) हुए हैं। इन समझौतों के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में बुनियादी ढांचे का विकास होगा और बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

भूमि आवंटन सहित अन्य कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि निवेश समझौतों से जुड़ी जमीन आवंटन और अन्य जरूरी कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि सभी एमओयू समय पर धरातल पर उतर सकें। यदि निवेशकों को उनकी पसंदीदा जगह जमीन उपलब्ध न हो, तो उन्हें आस-पास के क्षेत्रों में वैकल्पिक विकल्प दिखाए जाएं। उन्होंने कहा कि हर एक निवेश समझौता प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सीएम ने जिला कलेक्टरों को भी निर्देश दिए कि वे इन समझौतों की नियमित निगरानी करें और निवेशकों के साथ संपर्क बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि खनन और पर्यटन क्षेत्र राजस्थान के विकास का मुख्य आधार हैं। इन क्षेत्रों में और प्रगति की संभावनाएं तलाशनी होंगी। उन्होंने कहा कि दिसंबर में होने वाले राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव से पहले खनन, पेट्रोकेमिकल और पर्यटन से जुड़े प्री-समिट आयोजित किए जाएं। साथ ही, प्रदेश की जमीन में मौजूद खनिजों का व्यापक सर्वे किया जाए। बैठक में दिसंबर में जयपुर में प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव-2025 की तैयारियों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि कॉन्क्लेव में 2024 के ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए निवेश समझौतों की प्रगति और प्रदेश के औद्योगिक-आर्थिक बदलावों की जानकारी दी जाएगी।

राज्यवर्धन राठौड़ ने जताया आभार

आर्मी-डे परेड पर जयपुर में दिखेगी सेना की ताकत

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने नई दिल्ली में मंगलवार को सेना प्रमुख और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

बेधड़क | नई दिल्ली

आर्मी-डे परेड का आयोजन इस बार राजस्थान में किया जाएगा। यह ऐतिहासिक परेड 15 जनवरी, 2026 को जयपुर में होगी।

यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत विजन के तहत लिया गया है, जिसमें राष्ट्रीय आयोजनों को देश के अलग-अलग हिस्सों में मनाया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने दिल्ली में सेना प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर इस बड़े आयोजन के लिए सेना का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह मौका राजस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सेना की योजना, तकनीक और साहस की सराहना की और कहा कि भारत ने ठोस निर्णय लेकर स्थिति को अपने पक्ष में किया। सैनिकों की सोच, संकल्प और कार्यशैली पर उन्होंने गर्व जताया। राज्य सरकार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस परेड को सफल बनाने के लिए जयपुर स्थित दक्षिण-पश्चिमी कमान के साथ मिलकर पूरी तैयारी कर रही है। परेड के साथ आधुनिक हथियारों की भव्य प्रदर्शनी भी लगेगी, जिसे देखने के लिए युवाओं में उत्साह है।

बेधड़क FIRST

सोसायटी कॉलोनियों की पट्टा नीति

जयपुर में कॉलोनियों में पट्टों के नियमन को लेकर स्पष्टता लाने के उद्देश्य से जेडीए ने एक समिति का गठन किया है, जिसे आगामी तीन दिनों में शासन प्रशासन को अपनी सिफारिशें सौंपनी होंगी। इस समिति की रिपोर्ट के आधार पर गाइडलाइन बनाई जाएगी, जो भविष्य में किसी भी भूखंड के पट्टाधिकार के प्रत्येक बिंदु पर परीक्षण करेगी।

खनन से निर्माण तक ठप: राजस्थान में संगठनों की संयुक्त हड़ताल ने मचाया हड़कंप

प्रदेश में खनन, परिवहन और निर्माण से जुड़े संगठनों की अभूतपूर्व एकजुटता के चलते हालात गंभीर होते जा रहे हैं। माइनिंग और क्रेशर संगठनों द्वारा शुरू की गई हड़ताल में अब PWD संवेदक, बजरी ऑपरेटर, मार्बल और ग्रेनाइट व्यवसायी भी शामिल हो गए हैं। पहली बार इतने बड़े स्तर पर तमाम संगठन एकजुट होकर विरोध जता रहे हैं। इस वृहद हड़ताल की गूंज अब खान विभाग की सीमाओं से निकलकर परिवहन, उद्योग और पीड़ब्ल्यूडी तक पहुंच चुकी है। प्रदेश भर में खदानों में खनन पूरी तरह ठप है, खनिज सामग्री का परिवहन रुक गया है और पीड़ब्ल्यूडी संवेदकों ने निर्माण कार्य रोक दिए हैं। इसका असर NHAI, CPWD, RSRDC, RIDCOR, रेलवे, पर्यटन, पुरातत्व, मेला और प्रोन्नति प्राधिकरण सहित अनेक विभागों के कार्यों पर पड़ रहा है। बजरी, ईंट, टाइल, सरिया, मार्बल और ग्रेनाइट की कीमतें चार गुना तक बढ़ गई हैं। कालाबाजारी रोकने के लिए संगठनों ने खुद की विजिलेंस टीमें तैनात कर 24 घंटे निगरानी शुरू की है। व्यापारियों के साथ ही लाखों मजदूर बेरोजगार हो गए हैं और सैकड़ों ट्रकों के पहिए थम चुके हैं। आज सभी जिला मुख्यालयों पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया गया। अब 18 अगस्त को जयपुर में विशाल मौन जुलूस की अनुमति मांगी गई है, जिससे यह आंदोलन और तेज होने की संभावना है।

ED ने 'पैरिमैच' अवैध बेटिंग एप के खिलाफ 6 राज्यों में 15 स्थानों पर छापेमारी की

मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के अंतर्गत ईडी ने 'पैरिमैच' नामक अवैध बेटिंग एप मामले में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, जयपुर, मदुरै और सूरत में छापेमारी की। शुरुआती जांच में लगभग 2,000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की पुष्टि हुई है, जिसमें रकम 'म्यूल अकाउंट्स' में जमा करवाई गई और बाद में इन पैसों को कई पेमेंट एग्रीगेटर्स और डोमेस्टिक मनी ट्रांसफर एजेंट्स के जरिए घुमाया गया। फिर ये रकम क्रिप्टो वॉलेट्स में भेजी गई। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (PMLA) के तहत शुरू की गई इस जांच की एफआईआर 2024 में साइबर पुलिस स्टेशन, मुंबई में दर्ज हुई थी।

अब रोडवेज एमडी कार्यालय से लगेगी परिचालकों की ड्यूटी

रोडवेज मुख्यालय ने मुख्य प्रबंधकों की मनमानी पर लगाम लगाते हुए परिचालकों की ड्यूटी अब सीधे एमडी कार्यालय से लगाने का फैसला किया है। मंथली लेकर चहेते परिचालकों को रूट देने की मिल रही शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया है। अब वर्षों से ड्यूटी नहीं करने वालों को भी रूट पर भेजा जा रहा है। यह व्यवस्था फिलहाल 16 डिपो में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की गई है और जल्द ही सभी डिपो में इसे शुरू किया जाएगा।

दिल्ली में कांग्रेस के महासचिवों, प्रभारियों और फ्रंटल प्रमुखों की अहम बैठक

'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस की जन आंदोलन की रणनीति

बेधड़क | नई दिल्ली/जयपुर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उठाए गए 'वोट चोरी' के मामले को जन जन तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस ने इसे अभियान के तौर पर देशभर में आंदोलन के रूप में चलाने का निर्णय लिया है। इसको लेकर मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिवों, प्रभारियों और फ्रंटल प्रमुखों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।

नई दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस की बैठक में मौजूद पार्टी के पदाधिकारी।

इस बैठक में 'वोट चोरी' के गंभीर मुद्दे पर गहन चर्चा हुई और इसके खिलाफ रणनीति तैयार की गई। बैठक में प्रदेश के प्रमुख नेता सचिन पायलट, हरीश चौधरी और भंवर जितेंद्र सिंह सहित प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि यह लड़ाई केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संविधान की रक्षा की लड़ाई है।

'वोट चोरी' लोकतंत्र पर सीधा हमला है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खरगे ने इस मुद्दे को जन-जन तक ले जाकर देशव्यापी आंदोलन शुरू करने का आह्वान किया।

बाड़मेर और चित्तौड़गढ़ की घटनाएं

विधायकों की कलेक्टरों से दबंगई गंभीर और चिंता का विषय

राजेंद्र छाबड़ा | बेधड़क

जयपुर। जिलों में जनप्रतिनिधियों विशेषकर विधायकों की दबंगई और राज्यकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें आए दिन जयपुर पहुंचती हैं। विभागों के जूनियर अधिकारियों अथवा छोटे कर्मचारियों से आगे जब बात पुलिस अधिकारियों और कलेक्टर तक पहुंच जाती है, तो फिर यह गंभीर और चिंतनीय हो जाती है। बाड़मेर का ताजा मामला उल्लेखनीय है। वहां के विधायक रविंद्र सिंह भाटी की दबंगई देखने को मिली है।

पिछले सप्ताह उन्होंने इलाके में खेजड़ी के पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने पुलिस और जिला प्रशासन के जूनियर अधिकारियों को जमकर खरी-खोटी सुनाई थी। तहसीलदार को तो धमकाया तक था। अब दो दिन पहले उन्होंने फिर दबंगई दिखाई। शिव में जमीन के एक मामले में एकत्र ग्रामीणों के बीच विधायक काफी उग्र हो गए और तहसीलदार व कलेक्टर के खिलाफ धमकी भरे लहजे में सख्त तेवर दिखाए- "मैं इन्हें कमरे में बंद कर दूंगा, क्योंकि भय के बिना प्रीत नहीं होती है।" उन्होंने ग्रामीणों को उकसाते हुए सुझाया, "जब तक इन पर शिकंजा नहीं कसोगे, ये नहीं सुनेंगे। इनकी छाती पर बैठ जाओ। तभी डरेंगे कि कहीं नौकरी न खा जाएं।"

दरअसल, भाटी ने खेजड़ी प्रकरण के समय भी जिला कलेक्टर टीना डाबी के खिलाफ मोर्चा था, लेकिन तब कलेक्टर ने संयम और सहनशीलता दिखाई थी। सर्वविदित है कि टीना डाबी पूरे जिले में काफी जनप्रिय हैं। वे रात-दिन काम में जुटी रहती हैं। उनकी गिनती कर्मठ व योग्य कलेक्टरों में की जाती है। लगभग सभी जनप्रतिनिधि और राजनेता उनके कुशल व्यवहार के कायल हैं। ऐसे में भाटी का कलेक्टर के प्रति ऐसा व्यवहार उचित नहीं कहा जा सकता। दूसरे विधायक की ऐसी ही दबंगई कुछ दिन पहले चित्तौड़गढ़ में भी देखने को मिली थी। वहां भी कलेक्टर मामले के केंद्र में थे। बात 21 मई की है। विधायक सुरेश धाकड़ फील्ड में दौरा कर रहे थे। उनके साथ कलेक्टर आलोक रंजन और अन्य कई अधिकारी भी चल रहे थे। इस क्रम में कलेक्टर बीच में रुक कर कुछ लोगों से चर्चा में लग गए। न जाने यह बात विधायक को क्यों नागवार लगी। वे पूरे प्रशासनिक अमले और आमजन के बीच कलेक्टर पर बिफर पड़े, "आप अलग से क्या अपनी पंचायती कर रहे हो। आपको मेरे साथ चलना चाहिए न कि अलग से दुकानदारी करनी चाहिए। आप मेरे से दूर भाग रहे हो।" विधायक के ये तेवर देख लोग अवाक रह गए थे। घटना मीडिया में सुर्खियां बनी थीं। आलोक रंजन (2013 बैच आईएएस) जनवरी 2024 से चित्तौड़गढ़ के कलेक्टर पद पर काबिज हैं। इससे पहले तीन जिलों में कलेक्टर रह चुके हैं। ऐसे में वे इस कुर्सी की जिम्मेदारी बखूबी जानते हैं।

किसी जिले से उनके खिलाफ कोई शिकायत सामने नहीं आई। वे कर्मठ और कुशल युवा आईएएस हैं। उनके साथ विधायक का व्यवहार अनुचित था। जिलों में कलेक्टर सरकार का सबसे बड़ा अधिकारी व प्रतिनिधि होता है। गरिमा, प्रतिष्ठा, भरोसा और जिम्मेदारी इसकी कुर्सी के पाये हैं। ऐसे में कलेक्टर के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ अस्वीकार्य है।

IAS नेहा गिरी भी डेपुटेशन पर दिल्ली जाएंगी

आईएएस नेहा गिरी (2010 बैच) भी सेंट्रल डेपुटेशन पर जा रही हैं। उन्हें राज्य सरकार ने एनओसी दे दी है, लेकिन वे दिल्ली में किसी मिनिस्ट्री में नहीं जाएंगी बल्कि केंद्र सरकार के अन्य संस्थान में ही दिल्ली जाएंगी। उनके पति इंद्रजीत सिंह (2010 बैच) की हाल ही दिल्ली में पोस्टिंग हो गई है। दो दिन पहले ही सांस्कृतिक मंत्रालय में डायरेक्टर के पद पर उनके 5 साल के लिए डेपुटेशन पर नियुक्ति के आदेश हुए हैं। नेहा अभी लाइवलीहुड प्रोजेक्ट की मिशन डायरेक्टर हैं।

नेहा गिरी, आईएएस

आईएएस में प्रमोट होने वाले अफसरों के नामों की चर्चा

अदर स्टेट सर्विसेज से आईएएस में प्रमोट होने वाले 4 अधिकारियों के नाम सामने नहीं आए हैं, लेकिन चर्चा है कि इनमें एक अधिकारी लेखा सेवा का, एक बीमा विभाग का, एक सांख्यिकी विभाग का और एक अधिकारी आयोजना विभाग का है। एक बार फाइल राज्य सरकार से दिल्ली चली जाए, उसके बाद डीओपीटी वहां से नोटिफिकेशन जारी करेगा। तब ये अधिकारी आईएएस बनेंगे।

दिल्ली में सांसदों ने निकाली 'हर घर तिरंगा बाइक रैली'

तिरंगा रैली में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, किरेन रिजिजू व अन्य।

बेधड़क | नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में मंगलवार को भारत मंडपम से 'हर घर तिरंगा बाइक रैली' का भव्य आयोजन हुआ। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कई सांसदों ने देशभक्ति और एकता का संदेश देते हुए रैली का नेतृत्व किया। इस मौके पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि तिरंगा एकता और बलिदान का प्रतीक है, जो नागरिकों को राष्ट्र के लिए किए गए बलिदानों की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना से शुरू हुआ यह अभियान, खासकर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद, देश में उत्साह की लहर पैदा कर रहा है।

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स के लिए मुद्रक व प्रकाशक अनिता हाड़ा सागवान द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 304-308 थर्ड फ्लोर, सिटी मॉल, भगवानदास रोड, सी-स्कीम जयपुर-302001 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डीबी कॉर्प लि., शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
प्रधान संपादक: डॉ. जगदीश चंद्र, **प्रबंध संपादक:** पवन अरोड़ा, **संपादक:** मनोज माथुर*, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 **फोन नं. :** 0141-4920504 (ऑफिस), **ई-मेल:** sachbedhadakdaily@gmail.com, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।